PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

# लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 271 ● भिलाई, शुक्रवार 08 मई 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

## संक्षिप्त समाचार

### ओडिशा में ससुराल के घर के सामने धरने पर बैठी महिला की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या

**गंजम।** ओडिशा के गंजाम जिले में एक गर्भवती महिला की कथित तौर पर निर्मम हत्या कर दी गई. वारदात को अंजाम उस समय दिया गया महिला जब महिला अपनी बेटी के हक की मांग को लेकर ससुराल में घर के सामने धरने पर बैठी थी. इस घटना ने पूरे राज्य को हिलाकर रख दिया. पुलिस ने बताया कि मृतक और आरोपी की पहचान हो गई है. आरोपी शख्स महिला का देवर है. उसे हिरासत में लिया गया. वारदात के समय महिला का पति घर पर नहीं था. उस समय महिला अपनी 2 साल की बेटी के साथ ससुराल के घर के सामने धरने पर बैठी थी. बताया जाता है कि महिला का पति कुछ समय पहले उसे छोड़कर चला गया था. महिला अपनी बेटी के हक की मांग करते हुए अपने ससुराल घर के सामने धरना दे रही थी. पुलिस के अनुसार वह प्रेग्नेंट भी थी. पुलिस के अनुसार मर्डर केस दर्ज कर लिया है

### कश्मीर घूमने आए अमेरिकी नागरिक की श्रीनगर में मौत

**श्रीनगर।** कश्मीर घूमने आए एक 83 साल के अमेरिकी नागरिक की आज अचानक मौत हो गई. खबर के मुताबिक, वह सुबह श्रीनगर में डल झील के हाउसबोट में बेहोश होकर अचानक गिर पड़े और उनकी मौत हो गई. पुलिस मामले की जांच कर रही है. अधिकारियों ने मृतक की पहचान एंडरसन जॉन डेविड के तौर पर की है. वह अमेरिका के वाशिंगटन डीसी के रहने वाले जॉन डेविड के बेटे थे. श्रीनगर में एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि मरने वाले के बीमार पड़ने पर हाउसबोट मालिकों और दूसरे लोगों ने उन्हें पास के एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनकी पत्नी और एक और जान-पहचान वाले भी थे. अधिकारी ने बताया कि अस्पताल के डॉक्टरों ने उन्हें आते ही मृत घोषित कर दिया. उन्होंने बताया कि शव को एसएमएचएस अस्पताल और बाद में आगे की कानूनी और मेडिकल प्रक्रिया के लिए शहर के पुलिस कंट्रोल रूम में शिफ्ट कर दिया गया.

### शशि शेखर वेम्पति सीबीएफसी के नए अध्यक्ष नियुक्त

**नईदिल्ली।** सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने मीडिया विशेषज्ञ शशि शेखर वेम्पति को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) का नया अध्यक्ष नियुक्त कर दिया है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जब भारतीय फिल्म का दायरा तेजी से आगे बढ़ रहा है। क्षेत्रीय सिनेमा, ओटीटी और वैश्विक सहयोग में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। ऐसे में सेंसर बोर्ड की भूमिका और जिम्मेदारी ज्यादा बढ़ गई है। शशि शेखर भारत के प्रमुख मीडिया और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ हैं। उन्होंने प्रसार भारती के सीईओ पद पर अपने 5 साल का कार्यकाल पूरा किया है। उनकी अगुवाई में ऑल इंडिया रेडियो और दूरदर्शन को आधुनिक बनाने पर जोर दिया गया। इससे पहले वह इंफोसिस और डिजिटल न्यूज स्टार्टअप नीति डिजिटल से जुड़े थे।

---

मेरे पीए की हत्या इसलिए हुई क्योंकि मैंने ममता को हराया

# शुभेंदु ने पीए की हत्या को बताया 'सोची-समझी साजिश'

नई दिल्ली/ एजेंसी

शुभेंदु अधिकारी ने अपने पीए चंद्रनाथ रथ की हत्या का आरोप टीएमसी पर लगाया है। उन्होंने कहा कि मैंने पश्चिम बंगाल की भवानीपुर सीट से ममता बनर्जी को हरा दिया, इसलिए उन्होंने मेरे सहयोगी चंद्रनाथ रथ को मार दिया। उन्होंने कहा कि जल्द से जल्द गुनहगारों को पकड़ा जएगा। पुलिस ने वह बाइक बरामद कर ली है, जिसका इस्तेमाल कथित तौर पर हमलावरों ने किया था। इस बाइक को पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना स्थित मध्यमग्राम पुलिस थाने लाया गया है। सुवेंदु अधिकारी ने बताया कि हमालवरों ने बहुत नजदीक से उन्हें गोली मारी है। जो भी हमलावर से उन्हें अच्छे से पता थी कि कहां गोली मारने से उनका तुरंत मौत दो जाएगी। अधिकारी ने बताया उनके शरीर से चार गोली निकली। यह हत्या पूरी तरह से नियोजन करके की गई है। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के मध्यग्राम में बुधवार रात यह वारदात हुई। चंद्रनाथ रथ की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस घटना को लेकर चश्मदीदों ने कई गंभीर खुलासे किए हैं। उन्होंने बताया कि यह हमला पूरी तरह सोची-समझी साजिश थी। हमलावर 4 से 5 मोटरसाइकिलों पर सवार होकर आए थे। उन्होंने चंदनाथ की कार का पीछा किया और दोहारिया इलाके में उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग की। चंद्रनाथ रथ भारतीय वायुसेना में सेवा देने के बाद भाजपा नेता शुभेंदु

अधिकारी के सबसे भरोसेमंद राजनीतिक सहयोगियों में से एक बन गए थे। 41 वर्षीय रथ मूल रूप से पूर्वी मेदिनीपुर जिले के चांदपुर के रहने वाले थे। यह वह राजनीतिक क्षेत्र था, जिसने बंगाल की राजनीति में शुभेंदु अधिकारी के उदय को आकार दिया। पार्टी सूत्रों के अनुसार, शांत स्वभाव और चर्चाओं से दूर रहने वाले रथ, वर्षों से अधिकारी के करीबी समूह का हिस्सा होने के बावजूद बड़े पैमाने पर जमीन पर काम करते रहे। सक्रिय राजनीतिक संगठनात्मक ढांचे में आने से पहले रथ ने रहरा राम कृष्ण मिशन से अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद भारतीय वायुसेना में लगभग दो दशक बिताए थे। परिवार के करीबी लोगों का कहना है कि उन्होंने एक बार आध्यात्मिक जीवन पर विचार किया था और छात्र जीवन के दौरान रामकृष्ण मिशन के सिद्धांतों से वे काफी प्रभावित थे। वायुसेना से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के बाद उन्होंने कॉर्पोरेट क्षेत्र में थोड़े समय के लिए काम किया। इसके बाद वे धीरे-धीरे राजनीतिक समन्वय और प्रशासनिक जिम्मेदारियों में आगे बढ़े। शुभेंदु अधिकारी के परिवार की तरह ही उनका परिवार भी पहले तृणमूल कांग्रेस से जुड़ा था। उनकी मां हसी रथ ने टीएमसी के कार्यकाल के दौरान पूर्वी मेदिनीपुर में एक स्थानीय पंचायत निकाय में पद संभाला था। बाद में वह 2020 में शुभेंदु अधिकारी के साथ भाजपा में शामिल हो गईं।

### दोषियों को फांसी मत दो,चंद्रनाथ रथ की मां ने मांगी अनोखी सजा

पश्चिम बंगाल में एक बुधवार रात खूनी वारदात को अंजाम दिया गया। मध्यमग्राम में भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी के पीए चंद्रनाथ रथ की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस हत्याकांड के बाद चंद्रनाथ रथ के परिवार में मातम पसर गया है। चांदीपुर में पीए चंद्रनाथ रथ की मां हासिरानी रथ का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। बेटे की मौत की खबर मिलते ही वे टूट गईं। चंद्रनाथ रथ की मां ने दोषियों को फांसी की सजा न देने की मांग की। उन्होंने कहा, मैं चाहती हूं कि दोषियों को सजा मिले। मैं एक मां हूं, मैं नहीं चाहती कि उन्हें फांसी दी जाए। मैं उनके लिए आजीवन कारावास चाहती हूं। उन्होंने ऐसा इसलिए किया क्योंकि बीजेपी सत्ता में आई। हमारे प्रदेश अध्यक्ष और नेता बार-बार राज्य में कानून-व्यवस्था बनाए रखने की बात कह रहे हैं। लेकिन सत्ताधारी पार्टी के जो लोग तरह-तरह की भड़काऊ टिप्पणियां कर रहे थे, जो कह रहे थे कि 4 तारीख के बाद दिल्ली के 'बाप' भी हमें नहीं बचा पाएंगे, तो 4 तारीख के बाद उन्होंने वही कर दिखाया।

---

बाल-बाल बचे उपमुख्यमंत्री

# एकनाथ का हेलीकॉप्टर आसमान में फंसा रहा...

**नई दिल्ली।** महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे गुरुवार को एक बड़े हादसे का शिकार होने से बाल-बाल बच गए। शिंदे का हेलीकॉप्टर मुंबई के पास कल्याण के आसमान में था तभी अचानक मौसम ने करवट बदली और तेज आंधी-तूफान ने विमान को घेर लिया। पायलट की त्वरित कार्रवाई और सूझबूझ की वजह से एक बड़ा विमान हादसा टल गया। उपमुख्यमंत्री शिंदे का हेलीकॉप्टर अचानक ठाणे के कल्याण के पास तेज हवाओं और तूफान में फंस गया। पायलट ने तेजी दिखाते हुए बिगड़ते मौसम के हालात का जायजा लिया और हेलीकॉप्टर में सवार सभी लोगों

की पूरी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आगे न बढ़ने का फैसला किया। कम विजिबिलिटी, तेज हवाओं और अस्थिर मौसम के कारण पायलट ने एहतियात के तौर पर हेलीकॉप्टर को वापस मुंबई की ओर मोड़ने का फैसला किया।

---

जंगल से निकल रहा काला खजाना

# सुरक्षा बलों की सर्चिंग में खुल रहे माओवादियों के गुप्त राज बस्तर में 50 करोड़ से ज्यादा पूंजी छिपे होने का अंदेशा है....

■ बीते तीन महीनों में जवानों ने करीब 6 करोड़ 75 लाख रुपए नगद और 8 किलो सोना बरामद किया है।

**जगदलपुर।** बस्तर में माओवादी नेटवर्क के कमजोर पड़ने के साथ अब उनके आर्थिक ढांचे की परतें खुलने लगी है। सुरक्षा बलों की लगातार सर्चिंग में ऐसे डंप सामने आ रहे हैं, जो इस बात की गवाही दे रहे हैं कि संगठन सिर्फ बंदूक के दम पर नहीं बल्कि मजबूत आर्थिक जाल पर भी टिका था। बीते तीन महीनों में जवानों ने करीब 6 करोड़ 75 लाख रुपए नगद और 8 किलो

सोना बरामद किया है, जो इस छिपे खजाने की एक झलक भर है। आईजी सुंदरराज पी के मुताबिक, यह बरामदगी अंदरूनी इलाकों में छिपाकर रखे गए डंप से हुई है, जिनकी तलाश अभी भी जारी है। जानकार बताते हैं कि नोटबंदी के बाद माओवादियों ने रणनीति बदली और नगद की जगह सोने में निवेश करना शुरू किया, ताकि जोखिम कम रहे। बरामद 8 किलो सोने की कीमत ही करीब 13 करोड़ रुपए आंकी गई है, जिससे संगठन की आर्थिक ताकत का अंदाजा लगाया जा सकता है। यह पैसा तेंदूपत्ता संग्राहकों, ठेकेदारों और विकास कार्यों में लगे लोगों से लेवी के रूप में वसूला जाता था, जो साल दर साल करोड़ों में पहुंचता था। वरिष्ठ पत्रकार राजेंद तिवारी मानते हैं कि अब तक मिली रकम सिर्फ सतह है, असल में बस्तर में ही माओवादियों की छिपी पूंजी 50 करोड़ से ज्यादा हो सकती है। यानी जैसे-जैसे माओवादी नेटवर्क खत्म हो रहा है, वैसे-वैसे उनका आर्थिक साम्राज्य भी उजागर हो रहा है। हालांकि खतरा अभी पूरी तरह टला नहीं है, क्योंकि जंगलों में छिपे ऐसे कई डंप अब भी सुरक्षा बलों के निशाने पर हैं। फिलहाल बस्तर में जारी सर्च ऑपरेशन सिर्फ हथियारों की तलाश नहीं, बल्कि माओवादियों की उस आर्थिक रीढ़ को तोड़ने की कोशिश भी है, जिस पर उनका पूरा नेटवर्क खड़ा था।

---

बिहार में हुआ कैबिनेट विस्तार-पीएम मोदी रहे मौजूद

# सम्राट चौधरी सहित कुल 32 मंत्रियों ने ली शपथ...

पटना/ एजेंसी

बिहार में सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री बनने के बाद आज कैबिनेट विस्तार की प्रक्रिया पूरी की गई। पटना में आज मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली कैबिनेट का विस्तार किया गया। गांधी मैदान में सम्राट चौधरी और उनकी कैबिनेट में कुल 32 मंत्रियों ने मंत्री पद और गोपनियता की शपथ ली। बिहार में कैबिनेट विस्तार के लिए प्रधानमंत्री नरेंद मोदी भी पहुंचे। इस कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, राजनाथ सिंह और कई अन्य

नेता उपस्थित रहे। बिहार के लिए अहम चेहरा पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार ने भी मंत्री पद की शपथ ली। राज्यपाल सैयद अता हसनैन ने विजय सिन्हा, दिलीप जायसवाल, श्रवण कुमार, निशान्त कुमार और लेसी सिंह को मंत्री पद की शपथ दिलाई। इसी क्रम में रामकृपाल यादव, नीतीश मिश्रा, दामोदर रावत, संजय सिंह टाइगर, अशोक चौधरी ने शपथ ली। इसके अलावा पटना के गांधी मैदान में रमा निषाद, रत्नेश सदा, कुमार शैलेन्द्र, शीला कुमारी, भगवान सिंह कुशवाहा, अरुण शंकर प्रसाद, मदन सहनी, डॉ. संतोष कुमार सुमन, केदार प्रसाद गुप्ता और लखेन्द्र कुमार रौशन ने बिहार के मंत्री पद की शपथ ली। पटना में सुनील कुमार, श्रेयसी सिंह, मोहम्मद जमा खान, नंद किशोर राम, शैलेश कुमार उर्फ बुलो मंडल और प्रमोद कुमार ने बिहार के मंत्री पद की शपथ ली।

---

### ग्वालियर में शादी से लौट रहे दोस्तों की कार बनी आग का गोला, 2 की मौत

**ग्वालियर।** मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले में बुधवार को एक चलती कार में आग लग गई, जिससे उसमें सवार 2 लोग जिंदा जल गए। हादसा डाबरा इलाके में हुआ है। घटना के समय तेज रफ्तार कार बिजली के खंभे से टकराकर पलट गई, जिसके बाद उस पर बिजली के तार गिर पड़े। बताया जा रहा है कि 11केवी बिजली के खंभे से तार गिरने पर पूरी कार में आग लग गई और देखते ही देखते आग का गोला बन गई।छतरपुर निवासी अवधेश विश्वकर्मा (32) और रामजी सोनी (33) शिवपुरी आए थे। यहां अवधेश के बहनोई अविनाश झा (29) रहते हैं। तीनों ग्वालियर में दोस्त की शादी में गए थे।

---

भ्रष्टाचार पर शी जिनपिंग का सबसे बड़ा प्रहार

# चीन में 2 पूर्व रक्षा मंत्रियों को मिली मौत की सजा...

चीन/ एजेंसी

चीन की राजनीति और सेना में तब खलबली मच गई जब वहां की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने खबर दी कि दो पूर्व रक्षा मंत्रियों को मौत की सजा सुनाई गई है। राष्ट्रपति शी जिनपिंग द्वारा भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए चलाए जा रहे अभियान में इसे अब तक की सबसे बड़ी और सख्त कार्रवाई माना जा रहा है। चीनी अधिकारियों के मुताबिक, पूर्व रक्षा मंत्री वेई फेंगहे और उनके बाद पद संभालने वाले ली शांगफू को भ्रष्टाचार के गंभीर

मामलों में दोषी पाया गया है। अदालत ने दोनों को मौत की सजा दी है लेकिन इसमें दो साल की छूट दी गई है। चीन की सेना के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है जब लगातार दो रक्षा मंत्रियों को इतनी बड़ी और कड़ी सजा मिली है। 2023 में ली शांगफू अचानक गायब हो गए थे। उन पर सेना की जांच एजेंसियों ने नियमों के गंभीर उल्लंघन के आरोप लगाए थे। जांच में यह पता चला कि उन्होंने अपने फायदे के लिए बहुत सारा पैसा और कीमती चीजें रिश्वत में लीं और सेना में नियुक्तियों के दौरान पक्षपात किया। उन्हें पहले ही चीनी कम्युनिस्ट पार्टी और ताकतवर केंद्रीय सैन्य आयोग से बाहर निकाला जा चुका था। ली शांगफू से पहले रक्षा मंत्री रहे वेई फेंगहे को भी इन्हीं आरोपों की वजह से पार्टी से निकाल दिया गया था।

---

विजय को दूसरी बार राजभवन से वापस भेजा

# अड़े राज्यपाल राजेंद्र-118 विधायक लाओ,तभी होगी शपथ

चेन्नई/ एजेंसी

तमिलनाडु में सरकार गठन को लेकर सस्पेंस अभी बरकरार है। टीवीके प्रमुख विजय आज एक बार फिर राजभवन पहुंचे और राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर से मुलाकात की। हालांकि राज्यपाल ने साफ संकेत दे दिए हैं कि केवल सबसे बड़ी पार्टी होने भर से सरकार बनाने का रास्ता आसान नहीं होगा। सूत्रों के मुताबिक, राज्यपाल अपने रुख पर कायम हैं कि विजय को पहले विधानसभा में बहुमत का स्पष्ट आंकड़ा दिखाना होगा। राजभवन का मानना है कि तमिलनाडु जैसे बड़े राज्य में अस्थिर सरकार का जोखिम नहीं लिया जा सकता, इसलिए 234 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत के लिए जरूरी 118 विधायकों का समर्थन साबित करना अनिवार्य होगा। दरअसल, 23 अप्रैल को हुए विधानसभा चुनाव में टीवीके ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 108 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी का दर्जा हासिल किया था। हालांकि विजय खुद दो सीटों से चुनाव जीते हैं और नियमों के मुताबिक उन्हें एक सीट छोड़नी होगी। ऐसे में पार्टी की प्रभावी संख्या 107 रह जाएगी। सरकार बनाने की कोशिश में टीवीके को उस समय बड़ी राहत मिली जब कांग्रेस ने डीएमके गठबंधन से अलग होकर विजय को समर्थन देने का फैसला किया। कांग्रेस के पांच विधायक टीवीके के साथ आए, लेकिन इसके बाद भी आंकड़ा केवल 112 तक पहुंच पाया। यानी बहुमत के जादुई आंकड़े 118 से अभी भी छह विधायक कम हैं। यही वजह है कि राज्यपाल ने फिलहाल शपथ

ग्रहण को लेकर कोई हरी झंडी नहीं दी है। बुधवार को विजय ने कांग्रेस के समर्थन पत्र के साथ सरकार बनाने का दावा पेश किया था। इसके अगले ही दिन वह फिर राजभवन पहुंचे। माना जा रहा है कि इस दौरान सरकार गठन के गणित और समर्थन जुटाने को लेकर चर्चा हुई। हालांकि राजभवन की ओर से अब तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। सूत्रों का कहना है कि राज्यपाल ने स्पष्ट कर दिया है कि केवल समर्थन पत्र या मौखिक दावे पर्याप्त नहीं होंगे। उन्हें 118 विधायकों का ठोस समर्थन चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि बनने वाली सरकार स्थिर रहेगी और विधानसभा में बहुमत साबित कर सकेगी। इस बीच टीवीके नेता वीएस बाबू ने मीडिया से बातचीत में कहा कि सरकार गठन की प्रक्रिया जल्द आगे बढ़ सकती है। हालांकि उन्होंने केंद्र सरकार के कथित दबाव से जुड़े सवालों पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। कांग्रेस ने सत्तादारी द्रविड़ मुनेत्र कड़गम से अपना गठबंधन तोड़ते हुए टीवीके के समर्थन का ऐलान किया है। कांग्रेस ने इसके साथ ही टीवीके से गठबंधन में कम्युनल फोर्सेज को साथ न लेने की शर्त भी रखी है। जिसका मतलब साफ है कि इस गठबंधन में भारतीय जनता पार्टी शामिल नहीं हो सकती। हालांकि, विजय को उम्मीद है कि वो बचा हुआ आंकड़ा सीपीएम, सीपीआई, और पीएमके की मदद से मिल जाएगा।

### बिना बहुमत के बीजेपी ने बनाई थी सरकार, लेकिन विजय से मांग रहे 'सबूत'

सिनेमाई पर्दे से निकलकर तमिलनाडु की राजनीति के मैदान में उतरे तमिलगा वेत्री कड़गम के प्रमुख विजय के मुख्यमंत्री बनने की राह में राज्यपाल ने 'स्पीड ब्रेकर' लगा दिया है। कांग्रेस पार्टी के समर्थन से सरकार बनाने का दावा पेश करने विजय राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर से मिलने लोक भवन पहुंचे थे, लेकिन उनको तुरंत शपथ दिलाने से साफइनकार कर दिया गया। राजभवन की ओर से एक सख्त शर्त रखी गई- पहले 118 विधायकों के समर्थन वाला पत्र लाइए, उसके बाद ही आगे की प्रक्रिया पूरी होगी। इस घटना के बाद देश की राजनीति में एक बार फिर उस पुरानी और तीखी बहस को हवा दे दी है कि क्या देश में राज्यपाल राजनीतिक परिस्थितियों और पार्टियों के हिसाब से दोहरा मापदंड अपना सकते हैं?

# स्वच्छ धमतरी के लिए कलेक्टर की अभिनव पहल

## वार्ड स्तर पर बढ़ेगी जागरूकता, वॉलेंटियर्स निभाएंगे अहम भूमिका

**धमतरी ।** जिले में स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करने और नागरिकों में जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से कलेक्टर अबिनाश मिश्रा की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में साथी समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगर निकाय क्षेत्रों में स्वच्छता की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करते हुए इसे जन-आंदोलन का स्वरूप देने पर विस्तार से चर्चा की गई। कलेक्टर मिश्रा ने निर्देशित किया कि नगर के प्रत्येक वार्ड में एक-एक स्वच्छता वॉलेंटियर की नियुक्ति सुनिश्चित की जाए। ये वॉलेंटियर घर.घर जाकर नागरिकों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, कचरे के पृथक्करण गीला एवं सूखा कचरा तथा स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूक करेंगे। साथ ही स्वच्छ आदतों को दैनिक जीवन में अपनाने हेतु प्रेरित करेंगे। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल प्रशासनिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। कलेक्टर ने जनभागीदारी को इस अभियान की सफलता की कुंजी बताते हुए सभी वर्गों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने पर बल दिया। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि वार्ड स्तर पर नियमित स्वच्छता अभियान, श्रमदान और जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाए जिससे लोगों में स्वच्छता के प्रति स्थायी व्यवहार परिवर्तन सुनिश्चित हो सके। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं युवा संगठनों को इस अभियान से जोड़कर स्वच्छता मित्र के रूप में उनकी सहभागिता बढ़ाई जाएगी। साथ ही नगर में प्रमुख स्थानों पर स्वच्छता संबंधी संदेशों का व्यापक प्रचार.प्रसार किया जाएगा। इस अवसर पर शहर के विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों साथी समूह, लायंस क्लब, गायत्री परिवार, रोटरी क्लब, आर्ट ऑफ लिविंग, ब्रह्मकुमारी, चैंबर ऑफ कॉमर्स, राधास्वामी एवं कबीर पंथ के प्रतिनिधियों ने स्वच्छता अभियान में सक्रिय सहयोग प्रदान करने का संकल्प लिया। सभी ने प्रशासन की इस पहल की सराहना करते हुए इसे जन-आंदोलन के रूप में सफल बनाने हेतु अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। बैठक में नगर निगम आयुक्त प्रिया गोयल, उप संचालक समाज कल्याण मनीषा पांडेय सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर मिश्रा ने विश्वास व्यक्त किया कि सामूहिक प्रयासों और जनसहभागिता के माध्यम से धमतरी शहर स्वच्छता के मानकों पर नए आयाम स्थापित करेगा तथा अन्य नगरों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगा। उन्होंने कहा कि इस पहल से न केवल साफ-सफाई की व्यवस्था सुदृढ़ होगी, बल्कि नागरिकों में जिम्मेदारी और स्वामित्व की भावना भी विकसित होगी।

# श्री रामलला दर्शन योजना के तहत गरियाबंद से 94 श्रद्धालुओं का दल रवाना

## कलेक्टर एवं जनप्रतिनिधियों ने दो श्रद्धालु बस को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

**गरियाबंद।** राज्य शासन द्वारा लोगों को अयोध्या धाम एवं काशी विश्वनाथ दर्शन कराने के लिए श्री रामलला दर्शन अयोध्या धाम योजना संचालित की गई है। इसके अंतर्गत दर्शनार्थियों को अयोध्या धाम में श्री रामलला का निःशुल्क दर्शन कराया जा रहा है। साथ ही काशी विश्वनाथ का भी भ्रमण कराया जा रहा है। शासन द्वारा प्रत्येक जिलों से चयन कर सभी श्रद्धालुओं को ट्रेन के माध्यम से उन्हें रामलला के दर्शन के लिए ले जाया जा रहा है। इसी क्रम में नगरपालिका अध्यक्ष रिखीराम यादव, नगरपालिका उपाध्यक्ष आसिफ मेमन, वरिष्ठ नागरिक अनिल चंद्रकार, सुरेन्द्र सोनटेके, राधेश्याम सोनवानी, समाज कल्याण विभाग के उप संचालक डी.पी ठाकुर सहित ने गरियाबंद जिले से भी दर्शनार्थियों से युक्त 2 बसों को हरी झंडी दिखाकर कलेक्टोरेट परिसर से श्रीरामलला दर्शन अयोध्या धाम के लिए रवाना किया। जिले के कुल 94 दर्शनार्थी आज रवाना हुए। इस दौरान अतिथियों ने सभी यात्रियों को शुभकामनाएं देते हुए सुखद एवं मंगलमय यात्रा की कामना की। 94 श्रद्धालुओं में उनके देख-देख के लिए 4 अनुरक्षक भी शामिल है। चयनित तीर्थ यात्रियों को बस से रायपुर के लिए रवाना किया गया। रायपुर रेलवे स्टेशन से स्पेशल ट्रेन द्वारा श्री रामलला दर्शन अयोध्या धाम की यात्रा के लिए ले जाया जाएगा। यात्रा पश्चात तीर्थयात्रियों की जिला वापसी होगी। गरियाबंद जिले से अयोध्या जा रहे श्रद्धालुओं ने राज्य शासन और जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अयोध्या धाम जाकर प्रभु श्रीराम जी के दर्शन का अवसर मिलेगा, जिससे वे अत्यंत आनंदित हैं। श्रद्धालुओं की अयोध्या जाने की इच्छा पूरी करने वाली इस योजना के लिए जिले के श्रद्धालु ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार जताया। निःशुल्क यात्रा के साथ खाने, पीने और रहने की भी व्यवस्था की गई है। इससे श्रद्धालुओं पर कोई आर्थिक बोझ भी नही बढ़ेगा। उल्लेखनीय है कि श्री रामलला दर्शन योजना के तहत् श्रद्धालुओं को पूरा पैकेज मिलेगा। जिसमें छत्तीसगढ़ से अयोध्या जाने, वहां रहने की व्यवस्था, मंदिर दर्शन, नाश्ते और खाने की भी व्यवस्था रहेगी। इस ट्रेन में टूर एक्सपर्ट, सुरक्षा कर्मी और चिकित्सकों का दल भी मौजूद रहेंगे।

# संयुक्त टीम ने कैंटीन एवं होटलों का किया निरीक्षण

## गुणवत्ता व साफ-सफाई पर ध्यान देने के निर्देश

**बलौदाबाजार।** कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देशानुसार सही दवा शुद्ध आहार यही छत्तीसगढ़ का आधार अभियान के तहत् खाद्य सुरक्षा टीम ने मंगलवार को सीमेंट सयंत्रों के कैन्टीन एवं बलौदाबाजार के विभिन्न होटलों का निरीक्षण किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार संयुक्त टीम द्वारा अल्ट्राटेक सीमेंट फैक्ट्री रावन में संचालित कैंटीन व एपीएल अपोलो स्टील फैक्ट्री केसदा के कैंटीन का निरीक्षण किया गया। एपीएल अपोलो स्टील फैक्ट्री के कैंटीन में खाद्य पदार्थों को दीवार से दूर व रैक में सुरक्षित रखने के निर्देश दिए गये। साथ ही खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम से संबंधित सभी आवश्यक दस्तावेज मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट, पेस्ट कंट्रोल सर्टिफिकेट, वॉटर टेस्ट सर्टिफिकेट कार्यालय में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। बलौदाबाजार शहर के एवन डेली नीड्स, मिस बेकरी हाउस, मन्की द केक शॉप, शमा मुरादाबादी बिरयानी सेंटर, होटल अंश का निरीक्षण कर साफ सफाई तथा अन्य नियमों को कड़ाई से पालन करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

# सुशासन तिहार-तैयारियों को लेकर कलेक्टर ने ली समीक्षा बैठक

**धमतरी ।** सुशासन तिहार के सफल एवं प्रभावी आयोजन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसी क्रम में कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने जिला अधिकारियों की बैठक लेकर विभिन्न व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। कलेक्टर मिश्रा ने निर्देशित किया कि सुशासन तिहार अंतर्गत आयोजित होने वाले सभी शिविरों में पूर्व से ही समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं, ताकि आमजन को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि यह आयोजन जनसमस्याओं के त्वरित एवं पारदर्शी निराकरण का महत्वपूर्ण माध्यम है। अतः विभागीय समन्वय, संसाधनों की उपलब्धता एवं समयबद्ध कार्यप्रणाली को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। बैठक में शिविर स्थलों पर पेयजल, छाया, बैठक व्यवस्था, स्वच्छता एवं अन्य आवश्यक मूलभूत सुविधाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही अधिकारियों को फील्ड स्तर पर सतत मॉनिटरिंग करते हुए व्यवस्थाओं की गुणवत्ता बनाए रखने को कहा गयाए जिससे अधिकाधिक नागरिकों को योजनाओं का लाभ प्रभावी रूप से प्राप्त हो सके। कलेक्टर ने यह भी निर्देश दिए कि सभी विभाग अपने दायित्वों का गंभीरतापूर्वक निर्वहन करें तथा प्राप्त आवेदनों एवं प्रकरणों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करें। किसी भी प्रकार की लापरवाही या विलंब के प्रति शून्य सहनशीलता बरती जाएगी। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत गजेंद्र सिंह ठाकुर, अपर कलेक्टर इंदिरा देवहारी, एसडीएम धमतरी पीयूष तिवारी, एसडीएम कुरूद नभ सिंह कोसले, नगर निगम आयुक्त प्रिया गोयल सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। सुशासन तिहार के अंतर्गत विभिन्न जनहितकारी सेवाओं एवं योजनाओं का लाभ शिविरों के माध्यम से आमजन तक पहुंचाया जाएगा जिनमें प्रमुखतः आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्रों का त्वरित निराकरण, किसान पुस्तिका एवं स्वामित्व कार्ड का वितरण। पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करना, जैसे उज्ज्वला योजना, राशन कार्ड, आयुष्मान भारत, जन्म.मृत्यु प्रमाण पत्र, जॉब कार्ड एवं सामाजिक सुरक्षा पेंशन। आधार कार्ड का नवीन पंजीयन, सुधार, केवाईसी अपडेट एवं बैंक-आधार सीडिंग। युवाओं हेतु लर्निंग लाइसेंस जारी करना। प्रधानमंत्री आवास योजना सहित अन्य हितग्राहीमूलक योजनाओं के लंबित प्रकरणों का निराकरण एवं पूर्ण आवास हितग्राहियों का सम्मान। स्वास्थ्य परीक्षण शिविरों का आयोजन, मेडिकल किट वितरण, एनीमिया जांच एवं टीबी मरीजों को पोषण किट प्रदान करना। पीएम किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड, स्प्रिंकलर/स्प्रेयर पंप एवं मृदा स्वास्थ्य कार्ड का वितरण। गर्भवती महिलाओं हेतु गोदभराई कार्यक्रम, पोषण किट वितरण एवं बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार। पेयजल, हैंडपंप सुधार, घरेलू विद्युत कनेक्शन, सौर ऊर्जा कनेक्शन सहित स्थानीय समस्याओं का समाधान। जिला प्रशासन द्वारा सुशासन तिहार के माध्यम से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम छोर तक पहुंचाते हुए नागरिकों को त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराने का संकल्प दोहराया गया है।

# विशेष अभियान चलाकर लंबित आवेदनों का करें निराकरण : कलेक्टर

## सभी एचएलबी में गणना शीघ्र प्रारम्भ करने के निर्देश

**बलौदाबाजार।** कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने समय सीमा की बैठक में विभागीय कार्यों के साथ सुशासन तिहार अंतर्गत जिले में आयोजित हो रहे समाधान शिविर की समीक्षा की। उन्होंने राजस्व सम्बधित लंबित आवेदनों के निराकरण हेतु विशेष अभियान चलाने के निर्देश अधिकारियो को दिये। कलेक्टर शर्मा ने कहा कि अविवादित बंटवारा, नामांतरण, त्रुटि सुधार हेतु अभियान चलाएं। 15 दिन का कार्ययोजना बनाकर पटवारी और आरआई से प्रतिवेदन लें। इसी तरह स्वामित्व योजना अंतर्गत किसानों का स्वामित्व कार्ड बनाएं। उन्होंने जनगणना अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं गणना कार्य की समीक्षा करते हुए भाटापारा एवं लवन तहसील में अब जिन एचएलबी में गणना कार्य प्रारम्भ नहीं हुआ है वहां शीघ्र प्रारम्भ कराएं। सुशासन तिहार 2026 अंतर्गत जिले में आयोजित हो रहे जनसमस्या निवारण शिविर के दौरान प्राप्त होने वाले आवेदनों का पोर्टल पर तत्काल प्रविष्टि सुनिश्चित करने तथा निराकरण की जानकारी शिविर स्थल पर देने के निर्देश दिये। इसके साथ ही लंबित आवेदन का भी जल्द निराकरण कर आवेदक को सूचित करने कहा। उन्होंने शिविर में हितग्राहियों को सामग्री वितरण के साथ ही जल संचय वाहिनी को भी सम्मानित करने के निर्देश दिये। कलेक्टर शर्मा ने आगामी 11 मई को सोमनाथ स्वाभिमान पर्व पर संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम का सीधा प्रसारण को देखने हेतु जिले में उपयुक्त स्थल का चिन्हांकित कर आवश्यक तैयारी करने के निर्देश दिये। बैठक में सीईओ जिला पंचायत दिव्या अग्रवाल सहित अपर कलेक्टर, एसडीएम एवं विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

# सेमरा डी भूमिपूजन कार्यक्रम, रंजना साहू के मुख्य आतिथ्य में संपन्न

**धमतरी ।** ग्राम पंचायत सेमरा डी में आदिवासी भवन परिसर में विकास कार्यों के भूमिपूजन कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, पंचायत पदाधिकारियों एवं ग्रामीणों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधायक एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष रंजना डीपेंद्र साहू उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता जनपद पंचायत धमतरी की अध्यक्ष अंगिरा ध्रुव ने की। कार्यक्रम में विभिन्न निर्माण कार्यों जैसे आदिवासी समाज भवन में शेड निर्माण, प्रवेश द्वार निर्माण, मुक्तिधाम में शेड निर्माण एवं शिव मंदिर जीर्णोद्धार कार्यों का विधिवत भूमिपूजन किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों के रूप में सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्र के कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहेए जिन्होंने ग्रामीण विकास के इन कार्यों की सराहना करते हुए इसे क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया। अपने संबोधन में रंजना साहू ने कहा कि ग्राम पंचायतों का सशक्त होना ही वास्तविक विकास की नींव है, राज्य सरकार एवं केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना ही हमारा लक्ष्य है। सेमरा डी में जिन विकास कार्यों का आज भूमिपूजन हुआ है, वे ग्रामीणों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। साहू ने आगे कहा कि बुनियादी सुविधाओं का विस्तार ही गांवों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सबसे बड़ा कदम है। उन्होंने ग्रामवासियों से अपील की कि वे इन निर्माण कार्यों में सहयोग करें और विकास की इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। अध्यक्षता कर रही अंगीरा ध्रुव ने अपने उद्बोधन में कहा कि पंचायत स्तर पर ऐसे विकास कार्य ग्रामीणों की मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायक होते हैं। उन्होंने सभी को मिल.जुलकर गांव के समग्र विकास के लिए कार्य करने का संदेश दिया। कार्यक्रम का समापन में ग्राम पंचायत सरपंच सुनीता कमलनारायण ध्रुव ने धन्यवाद आभार व्यक्त किए। इस दौरान जिला महामंत्री राकेश साहू, जिला पंचायत सदस्य धनेश्वरी साहू, जनपद सदस्य तेश्वरी साहू, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष बालाराम साहू, भगत यादव, अमन राव मंडल अध्यक्ष, कमल नारायण ध्रुव, साकेत साहू, सोहन साहू, पन्नालाल थवाईत, फूल सिंह, मक्खन मूलचंद, सियाराम यादव, रतीराम, राजेश्वर, उमेश कुमार, चंद्रिका बाई, डोमेश्वरी, लक्ष्मी नेताम, टिकेश्वरी नेताम, वरिष्ठ कार्यकर्ता दयाराम चंद्राकर, भूपेंद्र चंद्राकर सेमरा, पंचायत के प्रतिनिधिगण, ग्रामीण मुख्य रूप से उपस्थित रहे। यह आयोजन ग्राम पंचायत सेमरा डी के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है जिससे क्षेत्र में विकास की नई दिशा मिलेगी।

# जिला परिवहन कार्यालय का स्थानांतरण, इंडोर स्टेडियम के निकट प्रारंभ

**गरियाबंद।** कलेक्टर बीएस उइके के निर्देश पर जिले में परिवहन कार्यालय का स्थानांतरण इंडोर स्टेडियम के निकट प्रशासनिक भवन में किया गया है। पूर्व में जिला परिवहन कार्यालय 15 जनवरी 2021 से 30 अप्रैल 2026 तक पी.एम.श्री स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम विद्यालय गरियाबंद के ग्रन्थालय भवन में संचालित हो रही थी। प्रशासनिक दृष्टिकोण से कलेक्टर उइके के निर्देशानुसार जिला परिवहन कार्यालय गरियाबंद को स्थानांतरण कर 04 मई 2026 से अस्थायी रूप से इंडोर स्टेडियम के निकट रिक्त प्रशासनिक भवन को अस्थायी रूप से आबंटित किया गया है।

# अबूझमाड़ के किसानों ने धमतरी में सीखे आय बढ़ाने के गुर

## औषधीय खेती की ओर बढ़ा रुझान, खस-ब्राह्मी की खेती से दोगुनी आय की संभावना

**धमतरी ।** नक्सल प्रभावित बस्तर के अबूझमाड़ क्षेत्र के किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। औषधि पादप बोर्ड रायपुर द्वारा 02 मई को नारायणपुर जिले के 50 से अधिक आदिवासी किसानों के लिए धमतरी जिले में अध्ययन प्रवास सह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के तहत कोहकामेटा, कुरुषनार, कंदाड़ी, किहकाड, कोडोली और बासिंग गांव के किसानों को औषधीय एवं सुगंधित पौधों की उन्नत खेती की तकनीकों से अवगत कराया गया। किसानों ने महिला स्व.सहायता समूहों द्वारा की जा रही खस, ब्राह्मी और बच की खेती का अवलोकन कर व्यावहारिक जानकारी हासिल की।

### नई सुबह की ओर, अभियान से मिली नई दिशा

यह कार्यक्रम नई सुबह की ओर अभियान के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य बस्तर के किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना और उन्हें बाजार में मांग वाली फसलों की ओर प्रेरित करना है। इस पहल के माध्यम से कौशल विकास और आय वृद्धि पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

### कंडेल में ब्राह्मी खेती का मिला प्रशिक्षण

अध्ययन प्रवास के दौरान किसानों को ग्राम कंडेल में ब्राह्मी की खेती का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। जिला कंसल्टेंट फकीरचंद कोसरिया ने खेत की तैयारी, रोपण, सिंचाई, उर्वरक प्रबंधन और विपणन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की। महिला स्व.सहायता समूह की सदस्य सत्या ढीमर ने मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षण देते हुए बताया कि पारंपरिक धान की तुलना में खस, ब्राह्मी और बच की खेती से दोगुना मुनाफा मिल रहा है। उन्होंने बताया कि इन फसलों में लागत कम होती है और एक बार रोपण के बाद 3.4 वर्षों तक उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है।

### मंदरौद में खस की खेती का अवलोकन

किसानों को ग्राम मंदरौद में खस की खेती का निरीक्षण कराया गया। यहां बताया गया कि खस की बाजार में अत्यधिक मांग है और इसे नदी-नालों के किनारे आसानी से उगाया जा सकता है। धमतरी मॉडल को बस्तर में अपनाने की संभावनाओं पर भी चर्चा हुई।

### निःशुल्क प्रशिक्षण और आर्थिक सहयोग

किसानों को जानकारी दी गई कि औषधि पादप बोर्ड द्वारा प्रशिक्षण और पौधे निःशुल्क उपलब्ध कराए जाते हैं। साथ ही निवेशकों के साथ अनुबंध के माध्यम से अग्रिम राशि देकर आर्थिक सहायता भी प्रदान की जाती है।

### नई उम्मीदों के साथ लौटे किसान

इस अध्ययन प्रवास के बाद अबूझमाड़ के किसान औषधीय खेती को लेकर काफी उत्साहित नजर आए। जो किसान अब तक विकास की मुख्यधारा से दूर थे, वे अब अपने खेतों में इन फसलों को अपनाने के लिए प्रेरित हुए हैं।

### तीन गुना आय वृद्धि का लक्ष्य

बोर्ड के सीईओ जेएसीएस राव ने बताया कि बस्तर के सभी जिलों में इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती के माध्यम से किसानों की आय दो से तीन गुना तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है।

# जनगणना कर्मियों की सुरक्षा पर कलेक्टर के निर्देश, दुर्व्यवहार एवं कार्य में बाधा को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा

**गरियाबंद।** कलेक्टर एवं प्रमुख जिला जनगणना अधिकारी बीएस उइके ने जनगणना-2027 के कार्य में लगे अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए स्पष्ट निर्देश दिए है कि जनगणना कार्य के दौरान किसी भी प्रकार की मारपीट, दुर्व्यवहार या कार्य में व्यवधान को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कलेक्टर उइके ने बताया कि जनगणना अधिनियम, 1948 की धारा 5 के अनुसार जनगणना कार्य में संलग्न सभी अधिकारी एवं कर्मचारी भारतीय दंड संहिता के तहत 'लोक सेवक' माने जाते हैं। इसलिए उनके साथ किसी भी प्रकार का दुर्व्यवहार, मारपीट या कार्य में बाधा उत्पन्न करना न केवल निंदनीय है, बल्कि गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है। उन्होंने कहा कि जनगणना अधिनियम, 1948 की धारा 11 में यह स्पष्ट रूप से प्रावधानित है कि जनगणना के कार्य में बाधा डालने वाला कोई भी व्यक्ति विधिक रूप से दंडनीय होगा। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि इस प्रकार की घटना में शासकीय कार्य में बाधा डालने तथा जनगणना अधिनियम की धारा 11 के तहत तत्काल एफआईआर दर्ज करवाई जाए, ताकि जनगणना कार्य सुचारू, सुरक्षित एवं निर्बाध रूप से संचालित हो सके।

# लघु फिल्म प्रतियोगिता हेतु प्रविष्टियां 30 जून तक आमंत्रित

**बलौदाबाजार।** राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग द्वारा 12 वें लघु फिल्म प्रतियोगिता 2026 हेतु प्रविष्टियां 30 जून तक आमंत्रित किया गया है। प्रतियोगिता में किसी भी आयु समूह के नागरिक भाग ले सकते है। चयनित फिल्म को प्रथम पुरस्कार 2 लाख, द्वितीय पुरस्कार 1 लाख 50 हजार एवं तृतीय पुरस्कार 1 लाख रुपये एवं प्रमाण पत्र प्रदान किये जाएंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिये कोई शुल्क निर्धारित नहीं है। लघु फिल्म का विषय ह्यूमन राइट इस्सू है जो अंग्रेजी एवं किसी भी भारतीय भाषा में हो सकता है। लघु फिल्म की अवधि न्यूनतम 3 एवं अधिकतम 10 मिनट का होना चाहिए। प्रविष्टियां केवल ऑनलाइन माध्यम से स्वीकार किये जाएंगे। अधिक जानकारी एवं आवेदन प्रपत्र के लिये वेबसाइट का अवलोकन किया जा सकता है।

## संक्षिप्त समाचार

### डॉक्टर के नाम से फर्जी फेसबुक आईडी बनाकर ठगी की कोशिश, टिकरापारा थाने में मामला दर्ज

रायपुर। राजधानी रायपुर में साइबर ठगी का एक और मामला सामने आया है, जहां ठगों ने रामकृष्ण अस्पताल के एमडी डॉ. संदीप दवे के नाम से फर्जी फेसबुक आईडी बनाकर लोगों से पैसे मांगने की कोशिश की। मामले की जानकारी मिलते ही डॉ. दवे ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर टिकरापारा थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।डॉ. दवे के अनुसार, ठग उनके नाम और पहचान का दुरुपयोग करते हुए लोगों को मैसेज भेज रहे हैं। इसमें खुद को डॉक्टर बताते हुए किसी आपात स्थिति का हवाला देकर आर्थिक मदद मांगी जा रही है। इससे न केवल लोगों के ठगी का शिकार होने का खतरा बढ़ गया है, बल्कि उनकी व्यक्तिगत और संस्थान की साख पर भी असर पड़ सकता है।बताया जा रहा है कि यह पहली बार नहीं है जब उनके नाम का दुरुपयोग किया गया हो। इससे पहले भी इसी तरह की घटना सामने आ चुकी है, जिसके संबंध में उन्होंने राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई थी। उस शिकायत का विवरण भी पुलिस को सौंपा गया है।

### फोन पर अश्लील बातें और व्हाट्सएप पर न्यूड फोनटो की मांग से

रायपुर। राजधानी रायपुर में एक नवविवाहिता ने फोन कॉल और व्हाट्सएप के जरिए लगातार परेशान किए जाने की शिकायत दर्ज कराई है। पीड़िता छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल में कार्यरत बताई जा रही है। मामले में टिकरापारा थाना पुलिस ने शिकायत दर्ज कर साइबर सेल की मदद से जांच शुरू कर दी है।शिकायत के अनुसार, 30 अप्रैल से एक अज्ञात नंबर से लगातार फोन कॉल आ रहे थे। कॉल करने वाला युवक आपत्तिजनक और अनुचित बातचीत करता था। विरोध करने पर वह अपशब्दों का प्रयोग करने लगा।पीड़िता ने बताया कि 4 मई को फिर से उसी नंबर से कॉल और संदेश आने लगे, जिनमें अशोभनीय सामग्री भी भेजी गई। लगातार हो रही इस हरकत से परेशान होकर महिला ने पुलिस से संपर्क किया और आरोपी के मोबाइल नंबर की जानकारी देते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की।पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए साइबर सेल के माध्यम से आरोपी की पहचान और लोकेशन ट्रेस करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि जांच के आधार पर जल्द ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

### नशीली टेबलेट बेचते दो आरोपी गिरफ्तार

**रायपुर।** रायपुर पुलिस ने नशीली टेबलेट की अवैध बिक्री पर बड़ी कार्रवाई करते हुए दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। एण्टी क्राइम एवं साइबर यूनिट और टिकरापारा थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई की। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि टिकरापारा क्षेत्र के गोकुल नगर स्थित शमशान घाट के पास कुछ संदिग्ध युवक प्रतिबंधित नशीली टेबलेट बेचने के लिए ग्राहकों की तलाश कर रहे हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर टीम ने मौके पर दबिश दी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने बताए गए हुलिए के आधार पर दो संदिग्धों को चिन्हित किया। पुलिस को देखकर दोनों भागने की कोशिश करने लगे, लेकिन घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया गया। पूछताछ में उन्होंने अपना नाम कपिल तिवारी (19 वर्ष) निवासी दुर्ग और मोहम्मद अनीश (52 वर्ष) निवासी टिकरापारा रायपुर बताया। तलाशी के दौरान उनके पास से प्रतिबंधित नशीली टेबलेट स्पासमो और नाइट्रोसन-10 की कुल 73 गोलियां बरामद की गईं, जिनकी कीमत करीब 29,200 रुपये बताई जा रही है। आरोपियों से इन टेबलेट्स के संबंध में वैध दस्तावेज मांगे गए, लेकिन वे कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ थाना टिकरापारा में नारकोटिक एक्ट की धारा 22(ख) के तहत मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि आरोपी मोहम्मद अनीश पहले भी वर्ष 2025 में इसी तरह के मामले में पकड़ा जा चुका है। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर इस नेटवर्क के अन्य सदस्यों और सप्लाई चेन की जानकारी जुटा रही है।

### खारुन किनारे गांजा सौदा फेल, 3.6 किलो नशे संग 19 वर्षीय आरोपी गिरफ्तार

**रायपुर।** खारुन नदी के शांत किनारे अचानक पुलिस का शिकंजा कसता है और नशे का सौदा शुरू होने से पहले ही ध्वस्त हो जाता है—रायपुर के डीडी नगर इलाके में 3 किलो 600 ग्राम गांजा के साथ 19 वर्षीय युवक को रंगे हाथों दबोच लिया गया, जिसकी कीमत करीब 1.80 लाख रुपये आंकी गई है। यह पूरी कार्रवाई 04 मई 2026 को डीसीपी पश्चिम क्षेत्र के अंतर्गत थाना डीडी नगर पुलिस ने उस वक्त अंजाम दी, जब मुखबिर से पुख्ता सूचना मिली कि एक युवक नदी किनारे संदिग्ध हालत में गांजा लेकर बिक्री के इरादे से खड़ा है, सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने बिना देर किए मौके पर दबिश दी, चारों ओर से घेराबंदी की।

सुशासन तिहार-2026

# मंत्री चौधरी ने ग्राम माकड़ीखूना में शिविर का किया निरीक्षण....

- वित्तमंत्री शिविर में पहुंचकर योजनाओं की जमीनी हकीकत की ली जानकारी, हितग्राही मूलक योजनाओं के तहत बांटी गई सामग्री
- प्रदेश सहित जिले के विकास के लिए सरकार हरसंभव मदद कर रही: वित्त मंत्री

रायपुर/ संवाददाता

प्रदेश के वित्तमंत्री श्री ओ.पी. चौधरी आज उत्तर बस्तर कांकेर जिले के प्रवास पर रहे। इस दौरान उन्होंने सुशासन तिहार एवं बस्तर मुन्ने कार्यक्रम के अंतर्गत कांकेर विकासखण्ड के ग्राम माकड़ीखूना में आयोजित शिविर में पहुंचकर ग्रामीणों से संवाद किया और उनकी समस्याएं सुनीं। साथ ही विभिन्न हितग्राही मूलक योजनाओं के तहत सामग्री का वितरण किया। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश सरकार केंद्र के सहयोग से लंबे समय से चली आ रही माओवादी समस्या को समाप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता हासिल कर रही है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 18 लाख आवास स्वीकृत किए गए हैं, जिससे जरूरतमंदों को आवास की सुविधा मिल रही है। वहीं महतारी वंदन योजना से महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश में तेंदूपत्ता की खरीदी 5500 रुपए प्रति मानक बोरा की दर से की जा रही है, जिससे वन आश्रित परिवारों को लाभ मिल रहा है। सरकार प्रदेश सहित कांकेर जिले के समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। साथ ही बस्तर क्षेत्र में पर्यटन की अपार संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए विकास की व्यापक कार्ययोजना तैयार की जा रही है। कार्यक्रम में सांसद श्री भोजराज नाग ने कहा कि बस्तर क्षेत्र, जो लंबे समय तक नक्सल प्रभावित रहा, अब विकास की मुख्यधारा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। कांकेर विधायक श्री आशाराम नेताम ने कहा कि सुशासन तिहार के माध्यम से सरकार गांव-गांव पहुंचकर योजनाओं की जमीनी स्थिति का आकलन कर रही है। कलेक्टर श्री निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने जानकारी दी कि सुशासन तिहार और बस्तर मुन्ने कार्यक्रम के तहत 14 अधोसंरचना एवं 31 व्यक्तिमूलक योजनाओं के संतृप्तिकरण के लिए शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, जिससे अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को लाभ मिल सके। शिविर में विभिन्न योजनाओं के तहत हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। खाद्य विभाग द्वारा 3 हितग्राहियों को राशन कार्ड, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन, प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवास की चाबी, मनरेगा के तहत जॉब कार्ड तथा व्यक्तिगत शौचालय निर्माण हेतु स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए। शिविर स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर योजनाओं की जानकारी भी दी गई।

# चार दिन में 1 लाख 62 हजार लोगों की हुई जनगणना, 47 हजार घरों तक पहुंचे प्रगणक

रायपुर/ संवाददाता

रायपुर जिले में 1 मई से शुरू हुए घर-घर जनगणना के काम में चार दिन में प्रगणक 47 हजार 341 घरों तक पहुंच चुके हैं। 1 लाख 62 हजार 653 सदस्य इन घरों में निवासरत हैं। दरअसल नक्शा बनाने के बाद प्रगणक घर-घर जाकर लोगों से 33 सवालों के जवाब ले रहे हैं। जानकारी के अनुसार रायपुर जिले में 3939 ब्लॉक बनाए गए है। वहीं 2438 ब्लॉक में प्रगणक तेजी से कार्य कर रहे हैं, बाकी 1501 ब्लॉक प्रोग्रेस में हैं। वहीं, प्रदेश की बात की जाए तो दो लाख से अधिक घरों तक प्रगणक अब तक पहुंच चुके हैं। ये सारे आंकड़े सोमवार के शाम 6.30 बजे तक सिस्टम में दर्ज हुए आंकड़े हैं। जो प्रगणक घर-घर जाकर जानकारी जुटा रहा है, उसे पहले अपने-अपने एरिया का नक्शा बनाने कहा गया था। जिससे उन्हें अपने ब्लॉक के घरों की जानकारी हो, और बिना किसी परेशानी के वे अपने एरिया में काम पूरी सके। इससे इन्हें काफी राहत मिल रही है। एक प्रगणक के पास करीब 180-200 घर हैं। 16 से 30 अप्रैल तक स्वगणना फॉर्म भरने का ऑप्शन दिया गया था। जिसके माध्यम से प्रदेशभर में करीब 1 लाख 42 हजार लोगों ने स्वगणना फॉर्म भरा है। दरअसल स्वगणना फॉर्म भरने के बाद एक एसई आईडी मिलता है, जिसे संभालकर रखना होता है। जब प्रगणक घर पहुंचते है, तो इसी एसई आईडी के माध्यम से ही वे सत्यापन कर जनगणना फॉर्म भरते है। प्रगणक अब तक 273 आईडी का सत्यापन कर चुके हैं। जनगणना कार्य में लगे प्रगणकों और सुपरवाइजर की सुरक्षा के लिए जिला जनगणना अधिकारी ने पुलिस कमिश्नर रायपुर और पुलिस अधीक्षक ग्रामीण को पत्र लिखा है। पत्र में कहा गया है कि कुछ स्थानों पर प्रगणकों के साथ मारपीट की घटनाएं संज्ञान में आ रही हैं। इनके साथ किसी प्रकार का विवाद व अप्रिय घटना न हो इसके लिए समस्त पुलिस थाना में पूर्व सावधानी बरतने और पुलिस सुरक्षा बल उपलब्ध कराने की मांग की गई है।

# फर्जी जॉब ऑर्डर का जाल,करोड़ों की ठगी, शिक्षक-क्लर्क गिरफ्तार

रायपुर। संवाददाता

व्हाट्सएप पर आया एक सरकारी नियुक्ति आदेश और उसी के साथ शुरू हुआ करोड़ों की ठगी का खेल, जहां हर लाइन में नौकरी का सपना था और हर साइन में भरोसे का जाल, रायपुर ग्रामीण में जब इस फर्जी आदेश की परत खुली तो पता चला कि यह सिर्फ एक मैसेज नहीं बल्कि सुनियोजित साजिश थी, जिसमें मंत्रालय के नाम, सचिव और उप-सचिव के डिजिटल हस्ताक्षर तक का इस्तेमाल कर लोगों को फंसाया गया, कहानी की शुरुआत होती है 24 अप्रैल 2026 से, जब सामान्य प्रशासन विभाग के राजपाल बघेल ने थाना राखी में रिपोर्ट दर्ज कराई कि सोशल मीडिया पर एक फर्जी आदेश वायरल हो रहा है, जिसमें कई विभागों में भर्ती का दावा किया गया था और उसी के बहाने लोगों से पैसे ऐंठे जा रहे थे, जैसे ही मामला सामने आया, पुलिस हरकत में आई और एक विशेष टीम बनाई गई, जिसने डिजिटल दुनिया के अंधेरे को खंगालना शुरू किया, मोबाइल नंबर, व्हाट्सएप ट्रेल और इलेक्ट्रॉनिक सबूत एक-एक कर खुलने लगे और फिर एक नाम सामने आया राजेश शर्मा उर्फ राजू, पुलिस की टीम सीधे राजनांदगांव के डोंगरगढ़ पहुंची, जहां दबिश देकर आरोपी को पकड़ लिया गया, लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं हुई, पूछताछ में जो सामने आया उसने पूरे खेल का नक्शा साफ कर दिया, राजेश शर्मा पिता डी.पी. शर्मा उम्र 53 वर्ष निवासी वार्ड नंबर 01 खुटापारा डोंगरगढ़, जो पेशे से शिक्षक है, उसने अपनी आर्थिक तंगी और कर्ज के दबाव में यह जाल बुना और इस खेल में उसका साथी बना मनोज कुमार श्रीवास्तव पिता अमरेश श्रीवास्तव उम्र 52 वर्ष निवासी कुम्हारपारा डोंगरगढ़, जो एक प्राइवेट स्कूल में क्लर्क है, दोनों ने मिलकर कंप्यूटर पर फर्जी नियुक्ति आदेश तैयार किया।

मंत्री केदार कश्यप ने सुशासन तिहार के अंतर्गत आयोजित इस जन चौपाल में मंत्री ने न केवल ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं, बल्कि प्रशासन को सीधे जनता के द्वार पर खड़ा कर दिया।

नवा रायपुर में आईपीएल का रोमांच मैच 10 और 13 को

# सचिव विकासशील ने सुरक्षा और सुविधाओं के लिए कड़े निर्देश......

रायपुर/ संवाददाता

नवा रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आगामी 10 और 13 मई को होने वाले टाटा आईपीएल टी-20 मैचों के सफल आयोजन के लिए राज्य प्रशासन ने कमर कस ली है। मुख्य सचिव श्री विकासशील ने आज मंत्रालय महानदी भवन में विभिन्न विभागों के उच्चाधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की और आयोजन से जुड़ी तमाम व्यवस्थाओं को चाक-चौबंद करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव के इन कड़े निर्देशों के बाद अब नवा रायपुर का प्रशासन क्रिकेट के इस महाकुंभ की मेजबानी के लिए पूरी तरह मुस्तैद है, जिससे दर्शकों को एक सुरक्षित और आनंदमयी अनुभव मिल सके। 10 मई 2026 को रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु बनाम मुंबई इंडियंस और 13 मई 2026 को रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु बनाम कोलकाता नाइट राइडर्स के मध्य मैच खेला जाएगा। मुख्य सचिव श्री विकासशील ने स्पष्ट किया कि स्टेडियम में आने वाले हजारों दर्शकों की सुरक्षा और सुगम यातायात प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। ऑनलाइन बुकिंग के बाद रायपुर पहुंचने वाली दर्शकों की भारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस कमिश्नर रायपुर को विशेष कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए गए हैं। पार्किंग एरिया और स्टेडियम के चारों ओर सीसीटीवी कैमरों का सघन जाल बिछाया जाएगा। बैरिकेडिंग और पार्किंग की जिम्मेदारी पुलिस, एनआरडीए और बीसीसीआई की संयुक्त टीम संभालेगी।

### झारखंड शराब घोटाला मामले में निलंबित आईएएस अनिल टुटेजा को अग्रिम जमानत, हाईकोर्ट ने दी सशर्त राहत

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने कथित झारखंड शराब घोटाला मामले में निलंबित आईएएस अधिकारी अनिल टुटेजा को बड़ी राहत देते हुए अग्रिम जमानत प्रदान की है। न्यायमूर्ति पी.पी. साहू की एकलपीठ ने उन्हें 50 हजार रुपये के निजी मुचलके और समान राशि की दो जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया है। साथ ही अदालत ने उन्हें जांच में पूर्ण सहयोग करने और गवाहों को प्रभावित न करने के निर्देश भी दिए हैं। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि टुटेजा जांच में सहयोग नहीं करते हैं, तो जांच एजेंसी को उनकी जमानत निरस्त कराने के लिए आवेदन करने की स्वतंत्रता होगी। हालांकि, इस मामले में राहत मिलने के बावजूद टुटेजा का जेल से बाहर आना फिलहाल मुश्किल माना जा रहा है। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही छत्तीसगढ़ के चर्चित डीएमएफ घोटाले और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े प्रकरण में उनकी जमानत याचिका हाईकोर्ट ने खारिज कर दी थी।

# सचिन तेंदुलकर बनकर 45 लाख की धोखाधड़ी

रायपुर। संवाददाता

हुडको भिलाई निवासी सेवानिवृत्त बीएसपी कर्मचारी जयंत बागची ऑनलाइन ट्रेडिंग में निवेश करने के नाम पर 45 लाख 18 हजार 998 रुपये की धोखाधड़ी का शिकार हो गया। प्रार्थी के मुताबिक आरोपितों द्वारा फेसबुक पर देश की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर एवं सुधा मूर्ति द्वारा भी निवेश के संबंध में कही जा रही बातों का वीडियो दिखाकर उसे झांसे में लिया गया। मामले में भिलाई नगर पुलिस ने धारा 318(4) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर जांच शुरू कर दी है। प्रार्थी ने पुलिस को दर्ज रिपोर्ट में बताया है कि वह भिलाई इस्पात संयंत्र से सेवानिवृत्त कर्मचारी है इसके पूर्व में भारतीय सेना में भी अपनी सेवा दे चुका है। प्रार्थी 10 मार्च 2026 को अपने मोबाइल नंबर पर फेसबुक देख रहा था। प्रार्थी के मुताबिक उसमें भारत देश की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के द्वारा कुछ बातें कही जा रही थीं एवं प्रसिद्ध व्यक्ति जैसे सचिन तेंदुलकर एवं सुधा मूर्ति के द्वारा भी निवेश के संबंध में कही जा रही थीं। उपरोक्त बातों से प्रभावित होकर प्रार्थी ने उपरोक्त संबंध में लिंक हेतु रजिस्ट्रेशन किया। प्रारंभिक रूप से प्रार्थी की बात कृतिका से हुई जिसने उसे पंजीयन के लिए 18,999 रुपये देने कहा। प्रार्थी द्वारा नेट बैंकिंग के माध्यम से उक्त राशि प्रेषित करने के बाद उसका पंजीयन भी हो गया। दो दिन बाद कृतिका ने व्हाट्सएप कॉल कर एकाउंट मैनेजर सिद्धार्थ विपुल से बात कराई।

महाविद्यालय के बाउंड्रीवाल का होगा तत्काल सीमांकन

# अनुशासन और कड़ी मेहनत ही सफलता का मूलमंत्र-टंकराम

- महाविद्यालय की भूमि को अतिक्रमण मुक्त करने के दिए कड़े निर्देश

रायपुर/ संवाददाता

शासकीय गजानंद अग्रवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भाटापारा में बुधवार को वार्षिक स्नेह सम्मेलन क्षितिज का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए प्रदेश के राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने जहाँ छात्र-छात्राओं को उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रेरित किया, वहीं कॉलेज की सुरक्षा के प्रति अपनी संवेदनशीलता दिखाते हुए परिसर की भूमि से तत्काल अतिक्रमण हटाने का सख्त आदेश दिया। राजस्व मंत्री के इस दौरे ने जहाँ कॉलेज के विकास और सुरक्षा को नई दिशा दी है, वहीं छात्रों के बीच जोश और प्रेरणा का संचार भी किया है। स्नेह सम्मेलन के दौरान कॉलेज प्रशासन और विद्यार्थियों ने परिसर की सुरक्षा एवं अतिक्रमण संबंधी समस्याओं से मंत्री को अवगत कराया। इस पर राजस्व मंत्री ने त्वरित संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया। कॉलेज की बाउंड्रीवाल के पास हुए बेजा कब्जे को तत्काल हटाया जाए। भविष्य में अतिक्रमण की गुंजाइश खत्म करने के लिए कॉलेज की पूरी भूमि का तत्काल सीमांकन किया जाए। छात्र-छात्राओं के लिए एक सुरक्षित और भयमुक्त शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित करना शासन की प्राथमिकता है। छात्रों को संबोधित करते हुए मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि वार्षिक स्नेह सम्मेलन केवल सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का अवसर नहीं, बल्कि यह युवाओं के भीतर छिपी प्रतिभा और नेतृत्व क्षमता को निखारने का मंच है। उन्होंने युवाओं को सफलता के तीन सूत्र दिए। उन्होंने कहा कि जीवन में संयम और नियम ही आपको भीड़ से अलग करता है। सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता, केवल कड़ी मेहनत ही स्थायी परिणाम देती है। मत्री श्री वर्मा ने कहा कि अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहें ताकि देश और प्रदेश के विकास में अपना योगदान दे सकें। कार्यक्रम के दौरान क्षितिज के मंच पर छत्तीसगढ़ी संस्कृति की अनूठी छटा बिखरी। छात्र-छात्राओं ने लोक कला और संस्कृति पर आधारित रंगारंग प्रस्तुतियां देकर दर्शकों का मन मोह लिया। मंत्री श्री वर्मा ने शैक्षणिक सत्र और खेलकूद प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को पदक एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस गरिमामय अवसर पर पूर्व विधायक श्री शिवरतन शर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष श्री अश्वनी शर्मा, महाविद्यालय के प्राचार्य, प्राध्यापकगण सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के सुशासन संकल्प को धरातल पर उतारने के लिए बुधवार को बलौदाबाजार जिले में जनसमस्या निवारण शिविरों का भव्य आयोजन किया गया। इन शिविरों में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए प्रदेश के राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने अधिकारियों को कड़े तेवर दिखाते हुए स्पष्ट किया कि आम जनता और विशेषकर किसानों की समस्याओं के निराकरण में किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी नगरपालिका भाटापारा, बलौदाबाजार और ग्राम मोहतरा के शिविरों को संबोधित करते हुए मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि शिविर में प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण करना सुनिश्चित करें।

# संपादकीय

## पर्यटन केंद्रों पर हो रहे हादसों के पीछे बदइंतजामी और सिर्फ लापरवाही ?

पर्यटन केंद्रों में सुरक्षा उपायों की कमी और बदइंतजामी का खुलासा जबलपुर के बरगी बांध क्रूज हादसे ने किया है।बिना सुरक्षा साधनों के पर्यटन केंद्र चल रहे हैं। बदइंतजामी यह है कि पर्यटन गतिविधि के दौरान अगर कोई दुर्घटना हो जाती है तो रेस्क्यू करने का भी कोई इंतजाम नहीं है। मध्य प्रदेश में पर्यटन के दौरान कई दुखद हादसे हुए हैं, जिनमें हाल ही में 30 अप्रैल को जबलपुर के बरगी बांध में हुआ क्रूज हादसा सबसे प्रमुख है। 30 अप्रैल की शाम को हुआ क्रूज हादसा प्रशासनिक लापरवाही और सुरक्षा नियमों की अनदेखी का एक गंभीर उदाहरण बनकर सामने आया है। इन घटनाओं में मुख्य रूप से अचानक आए मौसम परिवर्तन, लापरवाही और सुरक्षा मानकों की कमी जैसे कारण सामने आए हैं। इस हादसे में अब तक कई लोगों की मृत्यु की पुष्टि हो चुकी है। जीवित बचे पर्यटकों और प्रत्यक्षदर्शियों ने आरोप लगाया है कि क्रूज स्टाफ ने यात्रियों को लाइफ जैकेट उपलब्ध नहीं कराए थे। कुछ यात्रियों ने स्वयं ही जैकेट ढूंढकर पहने, जबकि अधिकांश के पास यह सुरक्षा कवच नहीं था।मौसम की चेतावनी की भी अनदेखी की गई है। मौसम विज्ञान विभाग ने क्षेत्र में 40-50 किमी/ घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का 'येलो अलर्ट' जारी किया था। इसके बावजूद, पर्यटन विभाग के इस क्रूज को पानी में उतरने की अनुमति कैसे दे गई। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने 2023 में पेयजल स्रोतों और नर्मदा से जुड़े बांधों में डीजल चालित मोटर नौकाओं के संचालन पर रोक लगाई थी। इसके बावजूद, बरगी बांध में पर्यावरणीय कानूनों का उल्लंघन कर इस मोटराइज्ड क्रूज का संचालन किया जा रहा था। घटना स्थल पर रेस्क्यू के कोई इंतजाम नहीं थे। अन्य पर्यटन केंद्रों में भी यही स्थिति है।जबलपुर क्षेत्र में यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी जबलपुर के भेड़ाघाट में पर्यटकों की नाव अनियंत्रित होकर पलटने की घटनाएं सामने आती रही हैं। इन हादसों के बाद प्रशासन अक्सर प्रदेशभर में सुरक्षा ऑडिट और लाइफ जैकेट की अनिवार्यता के निर्देश जारी करता है, लेकिन जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन में कमी इन त्रासदियों का मुख्य कारण बनती जा रही है। वाटरफाल से जुड़े हादसों में प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेने गए पर्यटकों के साथ कई बार नदी के अचानक जलस्तर बढ़ने या सेल्फी लेने के दौरान हादसे हुए हैं। प्रदेश में ऐसा कई हादसे हुए हैं। जिसमें ताजा जबलपुर क्रूज हादसा 30 अप्रैल 2026। पातालपानी हादसा 2011 पातालपानी वाटरफाल में पिकनिक मना रहे एक ही परिवार के पांच लोग अचानक आए फ्लैश फ्लड (तेज बहाव) में बह गए थे। सुलतानगढ़ वाटरफाल 2018- स्वतंत्रता दिवस के दिन अचानक पानी बढ़ने से नौ लोग बह गए थे। बृहस्पति कुंड 2025-पन्ना वाटरफाल में नहाते समय तीन किशोरों की डूबने से मौत हो गई थी। हाथीनाला-बिल्था वाटरफाल 2025-जबलपुर के तीन छात्रों की डूबने से जान गई। जोगी भड़क वाटरफाल 2025-धार जिले में एक 22 वर्षीय छात्रा ट्रेकिंग के दौरान 600 फीट गहरी खाई में गिर गई थी। ऐसा हादसों के बाद भी प्रशासनिक लापरवाही और सुरक्षा इंतजामों की कमी के कारण ऐसे दर्दनाक हादसे हो रहे हैं।

# लोक के प्रति कब जवाबदेह बनेगी नौकरशाही

**सरदार पटेल ने भारतीय प्रशासनिक सेवा को 'स्टील फ्रेम' बताया था। संविधान सभा में प्रशासनिक सेवा पर बहस के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए मजबूत और तटस्थ नौकरशाही पर जोर दिया था। हालांकि अंग्रेजों के नौकरशाह रह चुके एचवी कामथ को चिंता थी कि वैधानिक सुरक्षा नौकरशाही को गैरजवाबदेह और असल 'शासक' बना सकती है। एक अप्रैल को चुनावी राज्य पश्चिम बंगाल के मालदा की घटना में नौकरशाही ने जैसा रुख अख्तियार किया है, उसे देख लगता है कि पटेल के भरोसे की तुलना में एचवी कामथ की चिंता समय की शिला पर सटीक साबित हुई है। मालदा में पूरे नौ घंटे तक सात न्यायिक अधिकारियों को सियासी कार्यकर्ता के मुखौटे वाले अपराधियों ने बंधक बनाए रखा। उस दौरान कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश भी मुख्य सचिव से संपर्क करने में नाकाम रहे।**

(उमेश चतुर्वेदी)

देश को अपने लोकतंत्र पर गर्व है, लेकिन इस व्यवस्था में राजनीतिक तंत्र के साथ ही प्रशासनिक और पुलिस अफसर लगातार मजबूत हुए हैं। अंग्रेज सरकार ने इंडियन सिविल सेवा यानी आईसीएस का गठन अपने राजकाज को मजबूत करने के लिए किया था। इसलिए शुरुआती दौर में इसमें गोरे लोगों को ही तवज्जो मिली।

सरदार पटेल ने भारतीय प्रशासनिक सेवा को 'स्टील फ्रेम' बताया था। संविधान सभा में प्रशासनिक सेवा पर बहस के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए मजबूत और तटस्थ नौकरशाही पर जोर दिया था। हालांकि अंग्रेजों के नौकरशाह रह चुके एचवी कामथ को चिंता थी कि वैधानिक सुरक्षा नौकरशाही को गैरजवाबदेह और असल 'शासक' बना सकती है। एक अप्रैल को चुनावी राज्य पश्चिम बंगाल के मालदा की घटना में नौकरशाही ने जैसा रुख अख्तियार किया है, उसे देख लगता है कि पटेल के भरोसे की तुलना में एचवी कामथ की चिंता समय की शिला पर सटीक साबित हुई है। मालदा में पूरे नौ घंटे तक सात न्यायिक अधिकारियों को सियासी कार्यकर्ता के मुखौटे वाले अपराधियों ने बंधक बनाए रखा। उस दौरान कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश भी मुख्य सचिव से संपर्क करने में नाकाम रहे। दिलचस्प यह है कि जब सुप्रीम कोर्ट ने मुख्य सचिव से जवाब-तलब किया तो उन्होंने माफी मांग कर काम चला लिया। उम्मीद थी कि सुप्रीम कोर्ट इस मामले में शीर्ष अधिकारियों को सबक सिखाने से पीछे नहीं रहेगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। वह माफी से ही संतुष्ट हो गया।

देश को अपने लोकतंत्र पर गर्व है, लेकिन इस व्यवस्था में राजनीतिक तंत्र के साथ ही प्रशासनिक और पुलिस अफसर लगातार मजबूत हुए हैं। अंग्रेज सरकार ने इंडियन सिविल सेवा यानी आईसीएस का गठन अपने राजकाज को मजबूत करने के लिए किया था। इसलिए शुरुआती दौर में इसमें गोरे लोगों को ही तवज्जो मिली। अंग्रेज सरकार भारतीयों को गुलाम मानती थी, लिहाजा उसके अफसर भी भारतीयों से उसी अंदाज में पेश आते थे। आजादी के बाद नौकरशाही के इस चरित्र को बदलने की कोशिश के तहत तटस्थ ब्यूरोक्रेसी के रूप में आईएएस कैडर बनाया गया। गांधी मानते थे कि आधुनिक राज व्यवस्था और नौकरशाही में हिंसा का वर्चस्व है। गांधी जी ट्रस्टीशिप के सिद्धांत के अनुसार प्रशासनिक या आर्थिक रूप से ताकतवर लोगों से उम्मीद करते थे कि वे संसाधनों के स्वामी नहीं, बल्कि रक्षक की तरह व्यवहार करें। इसी अंदाज में नौकरशाही को सेवक बनाने की कोशिश हुई। लेकिन क्या नौकरशाह सेवक बन पाए? वे सिर्फ उन राजनीतिक आकाओं के ही सेवक बन पाए हैं, जो ताकतवर हैं और जिनसे उन्हें भविष्य में मलाईदार पदों और ताकत की उम्मीद है। यही वजह है कि आजादी के 79 साल बाद भी नौकरशाही का ज्यादातर हिस्सा सामंती मानसिकता से ही प्रभावित नजर आता है। जनता को वह अपनी रियाया मानता है। लोक से सामंती जैसा व्यवहार करने में ही उसे हेठी नजर आती है। पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव दुष्यंत नरियाला का कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश का फोन नहीं उठाना इसी सोच का प्रतीक है। यह उस आशंका का भी जीवंत उदाहरण है, जो

एचवी कामथ को परेशान कर रही थी। दिलचस्प यह है कि दुष्यंत नरियाला को 16 मार्च को ही चुनाव आयोग ने नंदिनी चक्रवर्ती की जगह नया मुख्य सचिव बनाया था, ताकि वे निष्पक्ष चुनाव करा सकें। नरियाला के व्यवहार से साफ है कि न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाने के मामले में उनका रवैया तटस्थ नौकरशाह की बजाय राज्य की मौजूदा सत्ता के इशारे पर ही काम करने वाले जैसा रहा। लोकतंत्र, लोक यानी आम लोगों का तंत्र है। लेकिन हकीकत में यह राजनीतिक दलों का तंत्र है और इस तंत्र में लोक की भूमिका महज वोट देने तक ही सीमित है। इस तंत्र में नौकरशाही की जवाबदेही राजनीति के हर अच्छे-बुरे कामों में साथ देने और कई बार उसका कहार बनने तक सीमित रह गई है। सरदार पटेल जब इस तंत्र को स्टील फ्रेम कह रहे थे, तो उनका आशय यह था कि भावी नौकरशाही आम लोगों की भलाई और लोकतंत्र को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाएगी। पटेल को उम्मीद रही होगी कि नौकरशाह लोक के प्रति जब जवाबदेह होंगे, तब ऐश्वर्य पर उनकी निगाह कम होगी। लेकिन इसके ठीक उलट हो रहा है। नौकरशाही के बड़े हिस्से को अपनी मूल भूमिका की चिंता नहीं सताती। उसकी पूरी कोशिश खुद और खुद के कैडर को मजबूत करने और ज्यादा सुविधाएं जुटाने पर केंद्रित रहती है। ज्यादातर नौकरशाहों के लिए आमजन ठीक वैसी ही प्रजा है, जिस तरह अंग्रेजों के थे। पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव का व्यवहार इसी सोच का उदाहरण है।

जब कोई आईएएस किसी फरियादी की बात सुनने के लिए जमीन पर बैठ जाता है, या ऐसा ही सामान्य कदम उठाता है तो वह घटना खबर बन जाती है। इसकी वजह यही है कि अफसरों से ऐसे व्यवहार की उम्मीद ही नहीं होती। जनमानस की सोच ऐसी है तो यह मान लेना चाहिए कि पटेल की सोच के मुताबिक नौकरशाही विकसित नहीं हुई, बल्कि एचवी कामथ जैसे लोगों की आशंका ही सही साबित हुई है। नौकरशाही में जब भी किसी का चयन होता है, उसके पड़ोसी और रिश्तेदार तक मान लेते हैं कि कुछ ही दिनों में उसकी कई पुश्तों का इंतजाम हो जाएगा। ज्यादातर ऐसा होता भी है। मध्य प्रदेश जैसे कुछ राज्यों ने लोकपाल की व्यवस्था कर रखी है। वहां आए दिन जिस तरह अधिकारियों के घरों से नोटों की गड्डियां निकलती हैं, उनकी संपत्ति के ब्यौरे सामने आते हैं, उससे पता चलता है कि अफसर बनना जमींदारी हासिल करने से भी ज्यादा फायदेमंद है। ऐसे अफसरों पर कड़ी कार्रवाइयां नजीर बननी चाहिए, लेकिन ऐसा होता नहीं दिखता। अफसरशाही का बड़ा हिस्सा अब भी तंत्र के दोहन की प्रक्रिया में शिद्दत से शामिल है। हाल ही में बिहार के एक सब डिविजनल पुलिस अफसर के बारे में समाचार आया कि उनकी नौकरानी भी थार से चलती है। ऐसा नहीं कि नौकरशाही में ईमानदार लोग नहीं हैं। अशोक खेमका और संजीव चतुर्वेदी इसके उदाहरण हैं। लेकिन उन्हें ना तो नौकरशाही चैन से बैठने देती है और ना ही राजनीतिक आका।

नौकरशाही को तटस्थ और ईमानदार बनाए रखने के लिए पचासों कमेटियां बन चुकी हैं, दो प्रशासनिक सुधार आयोग बन चुके हैं। पहले आयोग के अध्यक्ष तत्कालीन वित्त मंत्री मोरारजी देसाई थे तो दूसरे के कांग्रेसी नेता वीरप्पा मोइली। जान लेना चाहिए कि स्वाधीनता संग्राम में कूदने से पहले मोरार जी भी सिविल सेवा के अधिकारी थे। दोनों आयोगों ने कई सुझाव दिए, कुछ लागू भी हुए। लेकिन असल में नौकरशाही का चरित्र नहीं बदल पाया। वह लोकतांत्रिक नहीं हो पाई।

आपातकाल के दिनों में जयप्रकाश नारायण ने नौकरशाही और पुलिस अफसरों से अपील की थी कि सरकार के असंवैधानिक आदेशों को वे न मानें। तब जेपी को अराजकतावादी कहा गया। हालांकि राजनीतिक व्यवस्था ऐसी है कि नौकरशाही के लिए राजनीति की बात टालना संभव नहीं है। एच वी अयंगार जैसे कुछ ही नौकरशाह होते हैं, जो सही बात कह सकते हैं और अपने राजनीतिक आका से अलग राय रख सकते हैं। राज्यों के गठन के पीछे भाषा को आधार बनाने के तत्कालीन गृह सचिव अयंगार विरोधी थे और उन्होंने अपने मंत्री सरदार पटेल के सामने उसे खुलकर रखा भी था। वैसे आज की राजनीति में पटेल जैसा हृदय रखने वाले लोग भी कम हैं। अव्वल तो आज की नौकरशाही नाफरमानी की हिम्मत ही नहीं करती और अगर ऐसी कोशिश करती भी है तो उसे ही किनारे लगा दिया जाता है। इसी वजह से माना जा रहा है कि दुष्यंत नरियाला फिलहाल भले ही अभी चुनाव आयोग को रिपोर्ट कर रहे हों, वे अपने राजनीतिक आका के ही प्रभाव में हैं।

नौकरशाही अगर लोकतांत्रिक और तटस्थ नहीं बन पाई है तो इसके पीछे उसके प्रशिक्षण और चयन में भी खामी मानी जाती है। वैसे समाज भी रोजाना अफसरों की बेरूखी से दो-चार होता रहता है, इसके बावजूद जब भी यूपीएससी या पीसीएस के नतीजे आते हैं, चयनित अफसरों पर वह लहालोट हो जाता है। समाज का लहालोट होना भी कई बार नौकरशाही को राजा की तरह व्यवहार करने को प्रेरित करता है। इसी लिए कोई दुष्यंत नरियाला कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के फोन को भी नजरंदाज कर देता है। लेकिन सवाल यह है कि आखिर इस रवायत को बदलेगा कौन? जिस राजनीति पर इसकी जवाबदेही है, उसे अपने कार्यकर्ताओं की बनिस्बत नौकरशाही पर भरोसा ज्यादा है। लोक तो उससे प्रताड़ित होने के बावजूद उसी पर लहालोट है। इसलिए जरूरी है कि नौकरशाही को भगवान न मानने वाली सोच विकसित करने की कोशिशें हों, अन्यथा नौकरशाह राजा की तरह व्यवहार करते रहेंगे। लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

# मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के 'नया चेहरा और नया नारा' से पश्चिम बंगाल में चल गई भाजपा की लहर

(कमलेश पांडे)

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में सम्राट चौधरी भाजपा के एक प्रमुख स्टार प्रचारक और 'मिशन बंगाल' के आगे बढ़े चेहरे के रूप में उभर रहे हैं। उनकी भूमिका मुख्यतः तीन तरह की है- नारा निर्माता, बिहारी बंगाल जुड़ाव बनाने वाला चेहरा, और ममता सरकार की आलोचना के लिए उग्र आवाज।

बिहार में नए मुख्यमंत्री पद पर सम्राट चौधरी के चयन ने भाजपा को एक 'नया चेहरा और नया नारा' दिया है, जिसे पार्टी पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनावों में केंद्र में लेकर चल रही है। इसी वजह से बिहार के नए प्रमुख चेहरे के इस चयन से बंगाल में भी भाजपा की 'लहर की बात' तेजी से चलने लगी है। चूंकि बिहार में सम्राट चौधरी का महत्व निर्द्वन्द है, इसलिए पश्चिम बंगाल के लोगों में भाजपा के प्रति विश्वास और गहरा हुआ। उल्लेखनीय है कि बिहार में नीतीश कुमार के बाद भाजपा ने पहली बार अपने प्रत्यक्ष नेता को मुख्यमंत्री बनाकर संकेत दिया है कि पार्टी अब 'एनडीए के नेतृत्व' को भी भाजपा के नाम से बेचेगी।

बता दें कि तारापुर की सियासत को लोककल्याण कारी दिशा देने वाले पूर्व स्वास्थ्य मंत्री शकुनि चौधरी के यशस्वी पुत्र सम्राट चौधरी कुशवाहा (कोईरी/ओबीसी) समाज से हैं; लेकिन सवर्णों के बीच बहुत लोकप्रिय हैं। तारापुर से परवत्ता के लोग इसकी गवाही देते हैं। इससे भाजपा ने बिहार के लव कुश (कुर्मी-कुशवाहा) समीकरण को अपने पक्ष में खींचने की कोशिश की है, जो राज्य की 50-60 सीटों पर असर डालता माना जाता है। साथ ही पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी की तरह कोई भी बड़ा सवर्ण नेता व्यक्तिगत रूप से इनका विरोधी नहीं हो सकता है। इससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री मंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन को पूर्वी भारत की राजनीति को असम के मुख्यमंत्री हेमंत विश्वशर्मा से भी बड़ा चेहरा बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के रूप में मिल गया है, जिन्हें दिल्ली में भाजपा की लहर चलवाने और यूपी में भाजपा को मजबूत बनवाने के नजरिए से आगे बढ़ाया गया है। इसके पीछे बिहार के नौकरशाही की फीडबैक ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, क्योंकि उनकी राजनीतिक छवि बेदाग है, इस मीडिया और राजनीतिक प्रायोजित मामलों को छोड़ दिया जाए तो।

**समझिए, पश्चिम बंगाल में कैसे बनी 'लहर'-** सम्राट चौधरी अपने उपमुख्यमंत्री पद के बाद पश्चिम बंगाल में भी भाजपा के प्रमुख प्रचारक के रूप में सक्रिय हुए हैं; उन्होंने बंगाल के चुनावी दौर में बार बार दावा किया है कि बंगाल में लोग 'बदलाव' के लिए तैयार हैं और भाजपा की सरकार बनेगी। चौधरी ने बर्बरता, घुसपैठ, रोजगार और 'सोनार बंगाल' की वापसी जैसे मुद्दे उठाकर बिहार मॉडल के नाम पर एक नयी राजनीतिक कहानी बंगाल में बेचनी शुरू की है; इससे भाजपा को एक नया नारा और एक नया चेहरा मिल गया है, जिसे मीडिया व जनता ने 'लहर' की तरह पेश किया है।

**खास रणनीतिक तालमेल -** बिहार में ओबीसी केंद्रित और सवर्ण, दलित, अल्पसंख्यक समर्थित मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के उभार के बाद भाजपा तर्क दे रही है कि अब यह गैर संस्कृतिक (संयुक्त तरह के राष्ट्रवादी ओबीसी) चेहरा बंगाल में भी विपक्षी भावनाओं को एकजुट कर सकता है। दोनों राज्यों में भाजपा एक ही नारा बेच रही है- पुरानी सत्ता संरचना का अंत और नई नेतृत्व पीढ़ी की शुरुआत; इसी जोड़ को देखते हुए बिहार में सम्राट के चयन को पश्चिम बंगाल में भाजपा की 'लहर' का तर्क प्रतीक माना जा रहा है।

**सम्राट चौधरी भाजपा के एक प्रमुख स्टार प्रचारक के रूप में उभरे-** पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में सम्राट चौधरी भाजपा के एक प्रमुख स्टार प्रचारक और 'मिशन बंगाल' के आगे बढ़े चेहरे के रूप में उभर रहे हैं। उनकी भूमिका मुख्यतः तीन तरह की है-नारा निर्माता, बिहारी बंगाल जुड़ाव बनाने वाला चेहरा, और ममता सरकार की आलोचना के लिए उग्र आवाज। उन्हें स्टार प्रचारक के रूप में जिम्मेदारी मिली, क्योंकि भाजपा ने पश्चिम बंगाल के लिए 40 स्टार प्रचारकों की सूची जारी की है, जिसमें बिहार से सम्राट चौधरी को विशेष प्राथमिकता दी गई है; वे बिहार के उन चुनिंदा नेताओं में है जिन्हें बंगाल में बड़ा चुनावी जिम्मा सौंपा गया है। उन्हें बंगाल के कई चरणों में रैलियों और चुनावी सभाओं के लिए तैयार किया गया है, खासकर 23 व 29 अप्रैल के चरणों में जहां भाजपा जीत सुनिश्चित करने की तैयारी कर रही है।

**बिहार-बंगाल कनेक्शन को भुनाना-** बिहार के उपमुख्यमंत्री होने के नाते चौधरी बिहार मूल के मतदाताओं (खासकर हावड़ा और आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले मजदूर, व्यापारी, कामगार) को निशाना बना रहे हैं, जहां बिहारी समुदाय की संख्या अधिक मानी जाती है। वे बिहार में 'नौकरी वाला मॉडल' (लगभग 50 लाख लोगों को नौकरी/रोजगार के अवसर) का उदाहरण देकर यह वादा कर रहे हैं कि बंगाल में भी वही तरह का रोजगार आधारित विकास 'सोनार बंगाल' के नाम से लाया जाएगा।

**नारा और विचारधारा संबंधी भूमिका-** सम्राट चौधरी ने घुसपैठ, एनआरसी, बंगाली अस्मिता और 'हिंदू उत्पीड़न' जैसे मुद्दों पर खुले आरोप लगाए हैं और कहा है कि भाजपा सत्ता में आकर घुसपैठियों को बाहर करेगी और बंगाली पहचान को फिर से स्थापित करेगी। वे ममता बनर्जी सरकार को 'अराजक, हिन्दू विरोधी और घुसपैठियों की हिमायती' कहकर जनता में बदलाव की भावना जगाने की कोशिश कर रहे हैं, और बार बार दावा कर रहे हैं कि इस बार बंगाल में भाजपा की ही सरकार बनेगी।

# विजय पथ तक पहुँचने के लिए पश्चिम बंगाल में धर्म पथ पर खूब चले मोदी और शाह

**पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत के लिए जी-तोड़ मेहनत करने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जमकर चुनाव प्रचार तो किया ही साथ ही पूजा पाठ में भी कोई कमी नहीं छोड़ी। पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण के मतदान वाले दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वाराणसी में बाबा श्री काशी विश्वनाथ का पूजन कर रहे थे। जबकि मतदान से एक दिन पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात में भगवान श्री सोमनाथ का पूजन किया। यही नहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गंगा में जाकर मिलने वाली हुगली नदी में नौका यात्रा और पूजन किया तो वहीं अमित शाह ने हुगली नदी और बंगाल की खाड़ी के पवित्र संगम पर स्थित गंगासागर का दर्शन और पूजन किया।**

(नीरज कुमार दुबे)

पश्चिम बंगाल में धार्मिक यात्राओं के माध्यम से भाजपा ने बंगाल की सांस्कृतिक, धार्मिक और सामाजिक जड़ों से जुड़ने का प्रयास किया, ताकि खुद को बाहरी पार्टी की बजाय एक संवेदनशील और जुड़ी हुई शक्ति के रूप में प्रस्तुत किया जा सके।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत के लिए जी-तोड़ मेहनत करने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जमकर चुनाव प्रचार तो किया ही साथ ही पूजा पाठ में भी कोई कमी नहीं छोड़ी। पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण के मतदान वाले दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वाराणसी में बाबा श्री काशी विश्वनाथ का पूजन कर रहे थे। जबकि मतदान से एक दिन पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात में भगवान श्री सोमनाथ का पूजन किया। यही नहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गंगा में जाकर मिलने वाली हुगली नदी में नौका यात्रा और पूजन किया तो वहीं अमित शाह ने हुगली नदी और बंगाल की खाड़ी के पवित्र संगम पर स्थित गंगासागर का दर्शन और पूजन किया। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मतुआ समुदाय के मुख्य मंदिर ठाकुरबाड़ी और राजधानी कोलकाता के ऐतिहासिक ठनठनिया काली मंदिर में पूजा-अर्चना की तो अमित शाह ने कपिल मुनि आश्रम में महर्षि कपिल का पूजन कर देशवासियों के कल्याण की कामना की।

बंगाल में मतदान वाले दिन प्रधानमंत्री का श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन पूजन करने का अधिक महत्व इसलिए है क्योंकि काशी (वाराणसी) को बंगालियों का दूसरा घर या सांस्कृतिक रूप से बंगाल के बहुत करीब माना जाता है। सदियों से बंगाली तीर्थयात्री, विद्वान और साधु-संत काशी आते रहे हैं, साथ ही कई बंगाली जमींदारों और राजाओं ने काशी में घाटों और मंदिरों का निर्माण करवाया। यही नहीं, वाराणसी में दशाश्वमेध घाट के पास स्थित बंगाली टोला क्षेत्र में बंगाली समुदाय की घनी आबादी है, जहाँ बंगाली संस्कृति, भाषा और खान-पान का गहरा असर देखने को मिलता है। वहीं गुजरात के श्री सोमनाथ में त्रिवेणी संगम (कपिला, हिरन और सरस्वती) के पास चंद्रभागा शक्तिपीठ स्थित है, जो बंगाली भक्तों के लिए महत्वपूर्ण है।

प्रधानमंत्री मोदी की ओर से हुगली नदी पर किये गये नौका विहार का भी खास महत्व है। हुगली को आदि गंगा के रूप में पूजा जाता है। बंगाल के लोगों के लिए हुगली का महत्व वैसा ही है जैसा उत्तर भारत में गंगा का है। नरेंद्र मोदी ने 2014 में जब लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए वाराणसी को चुना था तो उन्होंने सबसे पहले यही कहा था कि मुझे तो माँ गंगा ने

बुलाया है। इसी तरह खुद को गंगापुत्र कहने वाले प्रधानमंत्री मोदी ने बंगाल चुनावों के बीच हुगली को मां गंगा कहकर संबोधित किया और उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। इससे उन्होंने अपनी छवि को बंगाल की धार्मिक और सांस्कृतिक मान्यताओं के साथ जोड़ा। प्रधानमंत्री ने हुगली के किनारे समय बिताकर और बेलूर मठ जैसे आध्यात्मिक केंद्रों की यात्रा कर यह दिखाने की कोशिश भी की कि उनकी पार्टी बंगाल की जड़ों और विरासत का सम्मान करती है।

वहीं अमित शाह की गंगा सागर यात्रा भी काफी प्रभावशाली रही। सदियों से यह कहा जाता रहा है कि सब तीर्थ बार बार, गंगा सागर एक बार। अमित शाह ने इस यात्रा के जरिए भाजपा को बंगाल की जड़ों से जोड़ा। ऐतिहासिक कपिल मुनि आश्रम में पूजा-अर्चना कर उन्होंने बंगाली धार्मिक भावनाओं का सम्मान किया। उन्होंने गंगा को गंगोत्री से लेकर गंगा सागर तक भारत को जोड़ने वाली एक आध्यात्मिक कड़ी बताया, जिससे भाजपा ने यह संदेश दिया कि बंगाल की संस्कृति पूरे भारत के साथ गहराई से जुड़ी हुई है। साथ ही अमित शाह ने गंगा सागर में शहीद जवानों को श्रद्धांजलि देकर धर्म और राष्ट्रवाद को एक साथ जोड़ा, जो भाजपा की चुनावी रणनीति का मुख्य आधार रहा है।

इसके अलावा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्य की राजधानी कोलकाता के ऐतिहासिक ठनठनिया काली मंदिर में पूजा-अर्चना कर भी बड़ा संदेश दिया। उत्तरी कोलकाता की प्रमुख उत्तर-दक्षिण सड़क बिधान सरानी पर स्थित, ठनठनिया काली मंदिर की स्थापना 1703 में उदय नारायण ब्रह्मचारी ने उस भूमि पर की थी, जहां उस समय श्मशान घाट हुआ करता था। इस मंदिर में मां सिद्धेश्वरी की पूजा की जाती है। यहाँ की एक विशिष्ट परंपरा मांसाहारी प्रसाद चढ़ाने की है। इस मंदिर में पूजा कर प्रधानमंत्री ने यह संदेश दिया कि भाजपा बंगाल की विविध खान-पान और धार्मिक परंपराओं को स्वीकार करती है और उनका सम्मान करती है, जिससे विरोधियों के शाकाहारी थोपने के आरोपों का जवाब दिया गया। साथ ही यह मंदिर रामकृष्ण परमहंस से भी जुड़ा है, जो यहाँ अक्सर भजन गाने आते थे। इस यात्रा के जरिए भाजपा ने खुद को बंगाल के पुनर्जागरण और आध्यात्मिक महापुरुषों की विरासत से भी जोड़ा।

वहीं उत्तर 24 परगना जिले के ठाकुरनगर में मतुआ महासंघ के मुख्य मंदिर ठाकुरबाड़ी में दर्शन कर प्रधानमंत्री मोदी ने बंगाल के दलित (नामशूद्र) समाज के प्रति सम्मान व्यक्त किया। पीएम मोदी ने 2021 में बांग्लादेश स्थित मतुआ समुदाय के जन्मस्थान ओराकांडी की भी यात्रा की थी। ठाकुरबाड़ी की वर्तमान यात्रा उस निरंतरता को दर्शाती है। मतुआ मतदाता कम से कम 34 विधानसभा सीटों और बांग्लादेश सीमा के करीब स्थित दो दर्जन अन्य सीटों को सीधे तौर पर प्रभावित करते हैं। उल्लेखनीय है कि हरिचंद ठाकुर द्वारा 19वीं शताब्दी में स्थापित मतुआ महासंघ एक सामाजिक-धार्मिक आंदोलन है, जिसने ऐतिहासिक रूप से शिक्षा और सामाजिक सुधार के माध्यम से नामशुद्र समुदाय के उत्थान के लिए काम किया है।

बहरहाल, पश्चिम बंगाल चुनावों के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह की ये धार्मिक यात्राएं केवल व्यक्तिगत आस्था तक सीमित नहीं थीं, बल्कि वे एक व्यापक राजनीतिक रणनीति का हिस्सा थीं। इन यात्राओं के माध्यम से भाजपा ने बंगाल की सांस्कृतिक, धार्मिक और सामाजिक जड़ों से जुड़ने का प्रयास किया, ताकि खुद को बाहरी पार्टी की बजाय एक संवेदनशील और जुड़ी हुई शक्ति के रूप में प्रस्तुत किया जा सके। आस्था, संस्कृति और राजनीति के इस संगम ने यह स्पष्ट कर दिया कि आधुनिक भारतीय चुनावों में प्रतीकवाद और भावनात्मक जुड़ाव उतने ही महत्वपूर्ण हैं जितने विकास और नीतिगत मुद्दे। यह लेखक के अपने विचार है)

# राजू पुजारी को न्याय दिलाने हजारों ग्रामीणों का प्रदर्शन, आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दिया अल्टीमेटम

## तेलंगा समाज के नेतृत्व में रैली, एक सप्ताह में कार्रवाई नहीं हुई तो उग्र आंदोलन की चेतावनी

**बीजापुर।** चेरपाल निवासी और प्राथमिक शाला पालनार में पदस्त शिक्षक राजू पुजारी की संदिग्ध मौत के मामले में न्याय की मांग को लेकर जिले में व्यापक प्रदर्शन हुआ। तेलंगा समाज के नेतृत्व में आयोजित इस रैली को सर्व आदिवासी समाज, महार, महारा और कलार समाज का समर्थन मिला, जिससे आंदोलन बड़े जनसमूह में तब्दील हो गया। प्रदर्शन में करीब 5 हजार से अधिक ग्रामीण शामिल हुए। मिनी स्टेडियम से प्रारंभ हुई रैली शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंची, जहां प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। इस दौरान न्याय की मांग को लेकर जोरदार नारेबाजी की गई और प्रशासन के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया गया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि राजू पुजारी की मौत के मामले में पुलिस की कार्यप्रणाली संदिग्ध है। उनका कहना है कि जब्त सुसाइड नोट में तीन लोगों के नाम सामने आने के बावजूद अब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं की गई है, जिससे जांच की निष्पक्षता पर सवाल उठ रहे हैं। समाज के प्रतिनिधियों ने मामले की न्यायिक जांच कराने, जिला पुलिस अधीक्षक की सीधी निगरानी में जांच सुनिश्चित करने तथा दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की। साथ ही पीड़ित परिवार को 50 लाख रुपये का मुआवजा और एक सदस्य को शासकीय नौकरी देने की मांग भी की गई। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन को एक सप्ताह का समय देते हुए चेतावनी दी कि यदि इस अवधि में आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होती है तो आंदोलन को और उग्र रूप दिया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसी स्थिति में उत्पन्न होने वाली परिस्थितियों के लिए शासन-प्रशासन जिम्मेदार होगा। प्रदर्शन में तेलंगा समाज के अध्यक्ष आदिनारायण पुजारी, दिनेश पुजारी, सर्व आदिवासी समाज के सचिव कमलेश पैंकरा, महार समाज के अध्यक्ष अजय दुर्गम, कलार समाज के गौतम राव, अमित कोरसा, कामेस्वर दुब्बा, बी आर अमान, सुरेश परतागिरी, सन्नू हेमला, ईश्वरलाल सोनी, रैमनदास झाड़ी, कैलाश रामटेके, सतीश झाड़ी, बसंत मामाड़ीकर, मंगल रोटेल, सुबोध पुजारी, पुरुषोत्तम कुड़मुल, पुरुषोत्तम सल्लूर, विजय झाड़ी, कृष्णा बोल्ली, राम सिंग वार्गेम, पिलूराम पुजारी, तिरुपति लिंगम, अनीता मद्देड, अनीता पुजारी, बसंती लिंगम, पीलू राम पुजारी सहित विभिन्न समाजों के पदाधिकारी, पीड़ित परिवार के सदस्य एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

# भाजपा नेता और सरपंच पति पर दुष्कर्म का आरोप पीड़िता ने पुलिस पर लगाया कार्रवाई न करने का आरोप

**भानुप्रतापपुर।** जिले के दुर्गुकोंदल ब्लॉक से एक गंभीर मामला सामने आया है, जहां भाजपा किसान मोर्चा के मंडल उपाध्यक्ष और सरपंच पति कैलाश नेताम पर एक 49 वर्षीय विवाहित महिला ने दुष्कर्म, ब्लैकमेलिंग और डराने-धमकाने का आरोप लगाया है। मिली जानकारी के अनुसार, पीड़िता ने अपनी जरूरत के समय आरोपी कैलाश नेताम को दो किस्तों में लगभग 1.50 लाख रुपये उधार दिए थे। जब पीड़िता ने अपने पैसे वापस मांगे, तो आरोपी ने कथित रूप से शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाना शुरू कर दिया और उसे ब्लैकमेल करने लगा। पीड़िता ने बताया कि 19 मार्च 2026 दोपहर लगभग 3:30 बजे आरोपी पीड़िता के घर पहुंचा और जबरदस्ती उसे घर के पीछे ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता का दावा है कि गांव में हुई एक बैठक के दौरान आरोपी ने खुद अपना अपराध स्वीकार किया और चुनौती दी कि उसका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता।

### पुलिस की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक कांकेर को एक शिकायत पत्र लिखकर भानुप्रतापपुर पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़िता का कहना है कि उसने 18 अप्रैल 2026 को ही थाना भानुप्रतापपुर में एफआईआर दर्ज कराई है, लेकिन अब तक आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। शिकायती पत्र के अनुसार, आरोपी कैलाश नेताम बेखौफहोकर गांव में घूम रहा है और पुलिस केवल लापरवाही बरत रही है। एक गरीब आदिवासी महिला होने के नाते पीड़िता ने न्याय और आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

### भाजपा नेताओं के संरक्षण में अपराधियों के हौसले बुलंद, आदिवासी महिला को न्याय देने में पुलिस बरत रही कोताही : रामरतन नेताम

दुर्गुकोंदल ब्लॉक में भाजपा किसान मोर्चा के मंडल उपाध्यक्ष और सरपंच पति कैलाश नेताम पर लगे दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग के गंभीर आरोपों को लेकर कांग्रेस ने प्रदेश की भाजपा सरकार और स्थानीय पुलिस प्रशासन के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। दुर्गुकोंदल कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष रामरतन नेताम ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर इस घटना की कड़ी निंदा की है और पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। रामरतन नेताम ने कहा कि भाजपा के शासनकाल में उनके नेताओं के हौसले इतने बुलंद हो चुके हैं कि वे कानून का डर भूल चुके हैं। उन्होंने कहा, एक 49 वर्षीय विवाहित आदिवासी महिला के साथ दुष्कर्म, उसे ब्लैकमेल करना और फिर सार्वजनिक रूप से अपराध स्वीकार कर चुनौती देना यह दर्शाता है कि आरोपी को सत्ता का खुला संरक्षण प्राप्त है। कैलाश नेताम जैसा व्यक्ति, जो भाजपा किसान मोर्चा का पदाधिकारी है, एक गरीब महिला के पैसे हड़पने और उसकी अस्मत से खेलने का दुस्साहस कर रहा है। रामरतन नेताम ने चेतावनी देते हुए कहा कि प्रदेश में बेटी बचाओ का नारा देने वाली भाजपा सरकार के राज में आदिवासी महिलाएं असुरक्षित हैं। यदि जल्द ही आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होती है, तो कांग्रेस कमेटी उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी।

# बांसला के जंगलों में एएनआर कार्य में भ्रष्टाचार की गूंज 22 लाख के भुगतान के बाद भी काम अधूरा

**भानुप्रतापपुर।** पूर्व वन मंडल भानुप्रतापपुर के अंतर्गत ग्राम बांसला में वनों के पुनरुद्धार के नाम पर शासकीय राशि के बंदरबांट का एक गंभीर मामला सामने आया है। जागरूक नागरिकों और पुख्ता सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, वन विभाग के अधिकारियों और फर्मों की मिलीभगत से लगभग 22 लाख रुपये की सामग्री का भुगतान तो कर दिया गया है, लेकिन धरातल पर काम आधा-अधूरा है। इस मामले में मुख्य वन संरक्षक कांकेर को लिखित शिकायत सौंपकर उच्च स्तरीय जांच की मांग की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम बांसला के जंगलों में पिछले वर्ष कूप कटाई के बाद ए.एन.आर. कार्य स्वीकृत हुआ था। इसका उद्देश्य कटे हुए वनों को फेंसिंग और उचित रखरखाव के जरिए पुनर्जीवित करना था। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि संबंधित फर्मों को मटेरियल सप्लाई के नाम पर करीब 22 लाख रुपये की पूरी राशि जारी कर दी गई है। जबकि मौके पर केवल आधी सामग्री ही पहुंचाई गई है। सामग्री की कमी के कारण घेराबंदी का कार्य अधूरा पड़ा है। सुरक्षित फेंसिंग न होने से नए पौधों और वन क्षेत्र को नुकसान पहुंच रहा है, जिससे शासन की योजना विफल साबित हो रही है। शिकायत में मजदूरी भुगतान में भी भारी धांधली का जिक्र है। आरोप है कि ऐसे ग्रामीणों के नाम पर मस्टर रोल और वाउचर भरे जा रहे हैं, जिन्होंने कभी कार्यस्थल पर पैर तक नहीं रखा।

### अधिकारियों की मिलीभगत की आशंका

स्थानीय स्तर पर चर्चा है कि बीट गार्ड से लेकर विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों तक इस भ्रष्टाचार में शामिल हैं। यही कारण है कि बिना भौतिक सत्यापन के ही इतनी बड़ी राशि का भुगतान कर दिया गया। शिकायतकर्ता ने मांग की है कि कार्यस्थल का निष्पक्ष निरीक्षण कराया जाए और फर्मों को किए गए भुगतान का स्टॉक से मिलान किया जाए। शिकायतकर्ता ने सीसीएफ कांकेर से आग्रह किया है कि एक विशेष जांच टीम गठित कर दोषियों के खिलाफ कठोर अनुशासनात्मक और कानूनी कार्रवाई की जाए। अब देखना यह है कि विभाग अपने ही महकमे में व्याप्त इस 'दीमक' पर क्या कार्रवाई करता है।

# कांग्रेस के तीखे तेवरों के आगे झुका प्रशासन: दुर्गुकोंदल में अवैध रेत खदान पर बड़ी कार्रवाई, 7 हाईवा और 2 चेन माउंटेन जब्त

**भानुप्रतापपुर।** दुर्गुकोंदल ब्लॉक में लंबे समय से चल रहे अवैध रेत खनन के काले कारोबार पर आखिरकार प्रशासन का डंडा चला है। कांग्रेस की आक्रामकता और ग्रामीणों के बढ़ते आक्रोश के बाद नींद से जागे माईनिंग विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 7 हाईवा और 2 चेन माउंटेन मशीनों को मौके से जब्त कर लिया है। गौरतलब है कि दुर्गुकोंदल ब्लॉक में अवैध रेत उत्खनन का खेल महीनों से जारी था। इसे रोकने के लिए स्थानीय ग्रामीणों ने न केवल धरना-प्रदर्शन किया, बल्कि भानुप्रतापपुर विधायक ने विधानसभा में ध्यानाकर्षण के माध्यम से इस गंभीर मुद्दे को सरकार के समक्ष रखा था। बावजूद इसके, लंबे समय तक जिम्मेदार अधिकारी मौन साधे रहे, जिससे मिलीभगत की आशंकाएं प्रबल हो रही थीं।

### कलेक्टरों पर गाज गिरने के डर से मची खलबली

हाल ही में प्रदेश सरकार ने अवैध खनन को लेकर सख्त रुख अख्तियार किया है। शासन द्वारा स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि यदि किसी भी जिले में अवैध खदानें संचालित पाई गईं, तो सीधे तौर पर कलेक्टर जिम्मेदार होंगे और उन पर कार्रवाई की जाएगी। इसी कड़ी चेतावनी के बाद जिला प्रशासन और माइनिंग विभाग हरकत में आया और आनन-फानन में यह बड़ी कार्रवाई की गई। अवैध उत्खनन में लगी 2 भारी-भरकम चेन माउंटेन मशीनें सीज की गईं व रेत परिवहन में लगे 7 हाईवा वाहनों को विभाग ने अपने कब्जे में लिया। कांग्रेस के उग्र तेवरों और सरकार की सख्ती के बाद विभाग बैकफुट पर दिखा।

### बड़ा सवाल: कार्रवाई या खानापूर्ति?

क्षेत्र में चर्चा है कि क्या यह कार्रवाई वाकई अवैध खनन को जड़ से खत्म करने के लिए है, या महज ऊपरी दबाव के चलते की गई एक 'खानापूर्ति' है?

ग्रामीण अब भी सशंकित हैं कि अधिकारी कुछ दिनों बाद फिर से रेत माफियाओं को खुली छूट दे सकते हैं। फिलहाल, प्रशासन की इस देर से जागी फुर्ती ने क्षेत्र के माफियाओं में हड़कंप जरूर मचा दिया है।

# अशोक चक्रधारी की उपलब्धियां हैं गौरवशाली

**कोंडागांव।** जिला मुख्यालय से लगा हुआ ग्राम पंचायत कुम्हार पारा मृदा हस्तशिल्प जिसे टेराकोटा आर्ट भी कहा जाता है के मैजिक दिया का जादूगर अशोक चक्रधारी राज्य हस्तशिल्प पुरस्कार 2006 विजेता तथा राष्ट्रीय पुरस्कार मेरिट विजेता 2016 क्षेत्र का गौरव है। स्वर्गीय डाक्टरेट जयदेव बघेल भारत सरकार द्वारा शिल्पगुरु से सम्मानित तथा पद्मश्री पंडीराम मंडावी के साथ फ्रांस तथा इटली की यात्रा कर चुके हैं। इनकी हस्तशिल्प सिद्धहस्तता से प्रभावित होकर तत्कालीन राज्यपाल महामहिम ई.एस.एल. नरसिम्हन एवं आनंदी बेन पटेल विशेष रूप से इनके गृह निवास जाकर स्वयं चाक चलाकर सम्मानित किए हैं। भारत सरकार द्वारा प्रतिवर्ष विभिन्न विधाओं में राष्ट्रीय पुरस्कार प्रतियोगिताएं आयोजित किया जाता है, जिसमें हस्तशिल्प भी एक विधा है। क्षेत्र के हस्तशिल्प इसमें भागीदारी करते हैं। विगत वर्षों से अशोक चक्रधारी भी अपनी प्रविष्ठियां प्रेषित करते रहे हैं, किंतु मेरिट प्रमाण पत्र उपलब्धि हासिल कर पाए हैं। इस वर्ष 2025 के लिए नामांकन की अंतिम तिथि 30 अप्रैल 2026 रखी गई थी, जिसमें अशोक चक्रधारी ने बस्तर संभाग की 'कुकड़ा हाट' अर्थात 'मुर्गों की लड़ाई' को विषय वस्तु केंद्रित कर अविश्वसनीय कलाकृति तैयार कर नामांकन दाखिल किया है। उनके अनुसार इसके निर्माण में उन्हें एक माह से भी अधिक का समय लगा है। अत्यंत ही शोधकारी तथा सूक्ष्मता के कलाकृति को निर्मितकर क्षेत्र को एक अतिरिक्त राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता दिलाना सुनिश्चित कर दिया है। गौरतलब है कि अशोक चक्रधारी राज्य सरकार द्वारा स्थापित किए गए माटी कला बोर्ड के प्रथम गठन में संचालक मंडल सदस्य (वर्ष 2013-15) नामित हुए तथा छत्तीसगढ़ के कुम्हारों के विकास तथा प्रगति के लिए मैदानी स्तर पर कार्य कर उनके उत्थान का बीड़ा उठाया। पूर्व में बैंक आफ इंडिया छत्तीसगढ़ क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा तथा अशोक चक्रधारी को छत्तीसगढ़ क्षेत्रीय कार्यालय भारतीय स्टेट बैंक उनके संघर्षमय उपलब्धियों के लिए राज्य राजधानी रायपुर में सम्मान समारोह आयोजित किया है। उल्लेखनीय है, कि कोंडागांव हस्तशिल्प के राज्य पुरस्कार विजेताओं तथा राष्ट्रीय पुरस्कार विजेताओं का गढ़ है जिनमें सुखचंद पोयाम घड़वा, जयदेव बघेल, सोनाधर विश्वकर्मा, राजेन्द्र बघेल, पंचूराम सागर, तीजूराम विश्वकर्मा नामचीन हैं।

# वित्त मंत्री ओपी चौधरी का कांकेर आगमन पर आत्मीय स्वागत

**कांकेर।** वित्त मंत्री ओपी चौधरी के कांकेर आगमन पर जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय नागरिकों द्वारा उनका आत्मीय स्वागत किया गया। कांकेर पहुंचने पर विधायक आशाराम नेताम सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने उनका पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया और क्षेत्र में आगमन पर हर्ष व्यक्त किया। इस दौरान स्थानीय कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों की भी उपस्थिति रही। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए सतत कार्य कर रही है और जनप्रतिनिधियों के सहयोग से योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जा रहा है।

# अण्डर ट्रायल रिव्यू कमेटी, मॉनिटरिंग सेल, नेशनल लोक अदालत एवं हिट एंड रन के संबंध में जिले के अधिकारियों के साथ बैठक हुआ सम्पन्न

**कोण्डागांव।** प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव खिलावन राम रिगरी की अध्यक्षता एवं उनकी उपस्थिति में अण्डर ट्रायल रिव्यू कमेटी एवं मॉनिटरिंग सेल, नेशनल लोक अदालत एवं हिट एंड रन के संबंध में बैठक मध्यस्थता कक्ष में आयोजित की गई। बैठक में अपर जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश विक्रम प्रताप चंद्रा, कलेक्टर कोण्डागांव नुपुर राशि पन्ना, पुलिस अधीक्षक आकाश श्रीमाल, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रेशमा बैरागी पटेल, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गायत्री साय, केन्द्रीय जेल जगदलपुर से कल्याण अधिकारी शिवप्रसाद करसायल, उप-जेल नारायणपुर सहायक जेल अधीक्षक पीयूष जगदाले एवं लोक अभियोजन अधिकारी तथा लोक निर्माण विभाग से सम्मलित रहे। अण्डर ट्रायल रिव्यू कमेटीरू- अण्डर ट्रायल रिव्यू कमेटी की बैठक के दौरान ऐसे बंदियों के मामलों पर विशेष रूप से चर्चा की गई, जो लंबे समय से विचाराधीन हैं, जिनकी जमानत हो चुकी है परंतु वे जमानत की शर्तें पूरी नहीं कर पा रहे हैं, अथवा जिनकी सजा की अधिकतम अवधि के सापेक्ष वे पर्याप्त समय जेल में बिता चुके हैं। न्यायाधीश महोदय ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि पात्र बंदियों के मामलों में त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित की जाए तथा विधि के अनुरूप उन्हे राहत प्रदान की जाए। इसके साथ ही, बंदियों के अधिकारों की सुरक्षा एवं न्याय तक उनकी सुगम पहुंच सुनिश्चित करने पर भी बल दिया गया। साथ ही शंकर महतो के संबंध में एवं उच्चतम न्यायालय द्वारा आयोजित समाधान समारोह 21,22 एवं 23 अगस्त को होने वाले स्पेशल लोक अदालत के संबंध में चर्चा किया गया। मॉनिटरिंग सेल की बैठक में नवीन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय भवन निर्माण कार्य प्रारंभ करने की प्रक्रिया शीघ्रता से करने हेतु प्रधान न्यायधीश महोदय द्वारा कलेक्टर कोण्डागांव को निर्देश दिए गए तथा न्यायिक अधिकारियों के निर्माणाधीन आवास गृह व न्यायिक कर्मचारियों के निर्माणधीन आवास गृह के संबंध एवं पीड़िता एवं बच्चों सहित पीड़िताओं के परिजनों के बैठक के लिए वातानुकूलित सुसज्जित पीड़िता एवं बच्चों के अनुकूल कक्ष शौचालय सहित बनाये जाने के संबंध में चर्चा किया गया।

# पीजी कॉलेज जगदलपुर में गुरुवार को 269 परीक्षार्थी देंगे पीईटी परीक्षा, सुरक्षा के रहेंगे कड़े इंतजाम

**जगदलपुर।** छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल (व्यापम) द्वारा आयोजित की जाने वाली पीईटी प्रवेश परीक्षा के लिए जगदलपुर के शासकीय काकतीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय को केंद्र बनाया गया है, जहाँ कुल 269 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे। आगामी गुरुवार 14 मई को होने वाली इस परीक्षा में इन 269 विद्यार्थियों के भविष्य का फैसला सुबह 10 बजे से दोपहर 01.15 बजे के सत्र में होगा। धरमपुरा स्थित इस केंद्र पर परीक्षार्थियों की इस संख्या को देखते हुए प्रशासन द्वारा बैठक व्यवस्था और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं, ताकि सभी छात्र बिना किसी असुविधा के अपनी परीक्षा संपन्न कर सकें। परीक्षा केंद्र में प्रवेश के लिए विद्यार्थियों को समय का विशेष ध्यान रखना होगा, क्योंकि निर्धारित संख्या में पहुँच रहे इन परीक्षार्थियों की मेटल डिटेक्टर से गहन जाँच की जाएगी, जिसके लिए उन्हें परीक्षा शुरू होने से ढाई घंटे पहले केंद्र पर उपस्थित होना होगा। प्रवेश के दौरान वीक्षकों द्वारा इंटरनेट से प्राप्त मूल प्रवेश पत्र और पहचान पत्र का मिलान किया जाएगा। यदि किसी परीक्षार्थी के प्रवेश पत्र में फोटो संबंधी कोई त्रुटि है, तो उसे अनिवार्य रूप से अपनी दो रंगीन पासपोर्ट साइज फोटो साथ रखनी होगी। सभी परीक्षार्थियों के लिए सख्त ड्रेस कोड और नियमों का पालन अनिवार्य किया गया है। परीक्षार्थी केवल हल्के रंग के हाफटी-शर्ट और चप्पल पहनकर ही परीक्षा हॉल में बैठ सकेंगे।

# 6 दिन बाद लौटी बिजली, लोगों ने ली राहत की सांस

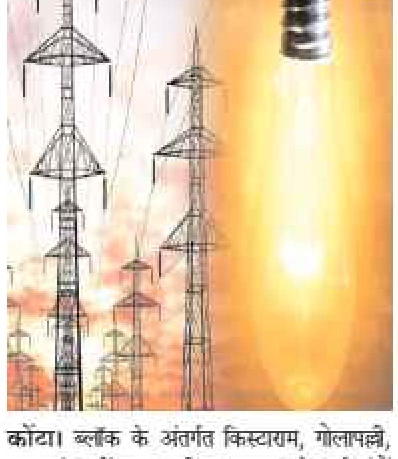

**कोंटा।** ब्लॉक के अंतर्गत किस्टाराम, गोलापल्ली, एलमागुंडा, सेंदूरगुड़ा सहित आसपास के कई गांवों में बीते छह दिनों से गहराया बिजली संकट आखिरकार खत्म हो गया है। लगातार छह दिन तक अंधेरे और भीषण गर्मी से जूझने के बाद क्षेत्र में बिजली आपूर्ति बहाल होने पर लोगों ने राहत की सांस ली है। लंबे इंतजार के बाद घरों में पंखे, कूलर और अन्य उपकरण फिर से चालू हो पाए, वहीं मोटर चालित पेयजल व्यवस्था शुरू होने से पानी की समस्या भी कुछ हद तक कम हुई है। इससे पहले 72 घंटे से शुरू हुई समस्या छह दिन तक खिंच गई थी, जिससे जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया था। छोटे बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ा। बिजली विभाग द्वारा देर से की गई मरम्मत के चलते लोगों में नाराजगी भी देखी गई।

### तकनीकी खामियां और स्टाफ की कमी बनी वजह

जानकारी के अनुसार, क्षेत्र में ट्रांसफार्मरों की कम क्षमता, बढ़ते लोड और लो-वोल्टेज की समस्या पहले से ही बनी हुई है। तेमेलवाड़ा क्षेत्र में आंधी-तूफान के कारण बिजली के खंभे क्षतिग्रस्त हो गए थे, जिसके चलते आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई थी। वहीं विभाग में स्टाफ की कमी के कारण मरम्मत कार्य में देरी हुई, जिससे समस्या लंबी खिंचती चली गई।

### जनपद सदस्य स्थायी समाधान मांग की

बिजली बहाल होने के बाद क्षेत्र में भले ही राहत और खुशी का माहौल है, लेकिन कड़ती समक्का किस्टाराम जनपद सदस्य क्षेत्र क्रमांक 15 ने स्पष्ट कहा है कि ऐसी समस्याओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए स्थायी समाधान अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने जगरगुड़ा कंट्रोल रूम के अंतर्गत आने वाले किस्टाराम क्षेत्र के सभी गांवों में बिजली व्यवस्था को सुदृढ़ करने, ट्रांसफार्मरों की क्षमता बढ़ाने और विभाग में पर्याप्त स्टाफ की नियुक्ति सुनिश्चित करने की मांग उठाई है, ताकि भविष्य में किसी भी तकनीकी खराबी की स्थिति में त्वरित मरम्मत हो सके और लोगों को लंबे समय तक परेशानी का सामना न करना पड़े।

## संक्षिप्त समाचार

### आधुनिक खेती से किसान कुनाल कश्यप को मिली बेहतर आमदनी

**बिलासपुर।** जिले के तखतपुर विकासखंड के ग्राम बहतराई निवासी किसान श्री कुनाल कश्यप ने राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजना के अंतर्गत संरक्षित खेती अपनाकर सफलता की नई मिसाल पेश की है। वर्ष 2024-25 में उद्यान विभाग की सहायता से उन्हें 4000 वर्ग मीटर में शेडनेट हाउस निर्माण हेतु अनुदान प्राप्त हुआ। इसके बाद उन्होंने शेडनेट हाउस के अंदर हाईब्रिड पत्तागोभी के लगभग 20 हजार पौधों का रोपण किया, जिससे उन्हें पारंपरिक खेती की तुलना में अधिक लाभ मिलने लगा है। किसान श्री कुनाल कश्यप ने बताया कि पहले वे सामान्य तरीके से सब्जी की खेती करते थे, लेकिन उतना लाभ नहीं मिल पाता था। संरक्षित खेती तकनीक अपनाने के बाद उत्पादन और गुणवत्ता दोनों में सुधार हुआ है। वर्तमान में 0.40 हेक्टेयर कृषि भूमि में की जा रही खेती से लगभग 70 से 90 क्विंटल उत्पादन का अनुमान है। इस खेती में लगभग 1 से 1.50 लाख रुपये की लागत आई है, जबकि बिक्री से 3 से 3.50 लाख रुपये तक की आय होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि उद्यान विभाग के मार्गदर्शन और नई तकनीक के उपयोग से कम क्षेत्र और कम लागत में अधिक मुनाफा प्राप्त किया जा सकता है। किसान की इस सफलता से क्षेत्र के अन्य किसान भी संरक्षित खेती की ओर प्रेरित हो रहे हैं।

### विजयपुर, टिकरापारा और बोदरी में 8 को सुशासन शिविर

**बिलासपुर।** मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में जिले में 1 मई से सुशासन तिहार का सफल आयोजन किया जा रहा है। गांव सहित नगरीय निकायों में भी जनसमस्या निवारण शिविरों के माध्यम से शासकीय योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने एवं लोगों की समस्याओं का निराकरण करने का कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में 8 मई को तखतपुर विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम पंचायत विजयपुर में सुशासन शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर में क्षेत्र से लगे हुए ग्राम पोड़ीकला, परसाकापा, निगारबंद, पूरा, बहुरता, टिहुलाडीह, पड़रिया, चोरमा, पकरिया, बेलपान, टिकरी, दर्री, विजयपुर, लिम्हा, सिलतरा, ठाकुरकापा एवं करनकापा के ग्रामीण भी शामिल हो सकते है। साथ ही नगर निगम बिलासपुर क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्र 38, 39 एवं 41 के वार्डवासियों के लिए गुजराती समाज भवन टिकरापारा एवं नगर पालिका परिषद बोदरी में वार्ड क्र. 1,2,3 हेतु वार्ड क्रमांक 2 शासकीय प्राथमिक शाला बोदरी में शिविर का आयोजन किया जाएगा। इन शिविरों में आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र, पेंशन, राशन कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना, ड्राईविंग लाईसेंस, स्वास्थ्य सेवाएं तथा महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं सहित अन्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही है। कलेक्टर ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे अपने निकटतम शिविर में पहुंचकर अधिक से अधिक संख्या में इसका लाभ उठाएं और शासन की योजनाओं से जुड़कर अपनी समस्याओं का समाधान कराएं। सुशासन तिहार-2026 का उद्देश्य आम जनता की समस्याओं का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करना, शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा करना तथा विकास कार्यों में गति लाने के साथ ही आम जनता, जनप्रतिनिधियों और विभिन्न सामाजिक संगठनों से सीधा संवाद स्थापित करना है।

### जूनियर रेडक्रॉस के 30 बच्चों एवं शिक्षकों का दल रायपुर रवाना

**बिलासपुर।** विश्व रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर बिलासपुर जूनियर रेडक्रॉस के 30 बच्चों एवं शिक्षकों के दल को शहर के नया बस स्टैंड से रायपुर के लिए रवाना किया गया। दल को डॉ. बी.एल. गोयल, चेयरमैन प्रबंध समिति रेडक्रॉस द्वारा हरी झंडी दिखाकर प्रस्थान कराया गया। रायपुर रवाना हुआ यह दल विभिन्न गतिविधियों एवं कार्यक्रमों में भाग लेकर बिलासपुर जिले का प्रतिनिधित्व करेगा। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने सभी बच्चों एवं शिक्षकों को शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर सर्वश्री सौरभ सक्सेना, आदित्य पांडेय, लक्ष्मीनारायण मिश्रा, मनोष मिश्रा, धरम लाल साहू, रवि राज साहू, गीतेश्वरी चन्द्रा एवं सौखी लाल यादव उपस्थित रहे।

**कलेक्टर-एसएसपी ने भी लिया शिविर का जायजा**

# उच्चभट्ठी शिविर में शामिल हुए जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी

**बिलासपुर।** जिले के गांव-गांव और शहर में सुशासन तिहार का सिलसिला जारी है। शिविरों के माध्यम से ग्रामीणों को शासकीय योजनाओं की जानकारी के साथ ही योजनाओं का लाभ मिल रहा है। इसी क्रम में आज बिल्हा ब्लॉक के उच्चभट्ठी में आयोजित सुशासन शिविर में जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी शामिल हुए। उन्होंने लोगों से शिविर का अधिक से अधिक लाभ लेने की भी अपील की। इस अवसर पर कलेक्टर संजय अग्रवाल, एसएसपी रजनेश सिंह, जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल, एसडीएम मनीष साहू, सीईओ जनपद कुमार लहरे सहित जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण भी मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष सूर्यवंशी ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सुशासन तिहार के जरिए लोगों की समस्याओं का निराकरण किया जा रहा है। अंतिम छोर के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना ही सुशासन तिहार का उद्देश्य है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि लोगों की समस्याओं का तत्परता से निराकरण करें। शासकीय योजनाओं, कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने और लोगों की समस्याओं का समयबद्ध निराकरण करने के उद्देश्य से सुशासन तिहार मनाया जा रहा है। सुशासन तिहार के तहत सरकार लोगों के गांव, घर तक पहुंचकर उनकी समस्याओं का निराकरण कर रही है। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने कहा कि बड़ी संख्या में आपकी उपस्थिति अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति आप लोगों की जागरूकता का परिचायक है। शिविर में आज कुल 196 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें से 161 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया। शेष 35 आवेदनों के निराकरण के लिए संबंधित विभागों को समयसीमा निर्धारित की गई है। शिविर में खाद्य विभाग द्वारा 9 हितग्राहियों को राशन कार्ड का वितरण, 4 हितग्राहियों को उज्जवला गैस कनेक्शन प्रदान किए गए। उच्चभट्ठी के प्रफुल्ल कुमार, कमल बाई मंडला, नरोत्तम कुमार सूर्यवंशी और पिंकी कोशले को जॉब कार्ड का वितरण किया गया। आवास पूर्ण करने पर 9 हितग्राहियों आवास पूर्णता प्रमाण पत्र एवं श्रम विभाग द्वारा मुख्यमंत्री नोनी सशिक्तकरण सहायता योजना अंतर्गत ग्राम उच्चभट्ठी की कुमारी पूजा और नंदनी को 20-20 हजार चेक दिया गया। उच्चभट्ठी के ही श्रीमती राम प्यारी सूर्यवंशी एवं किशन कन्हैया सूर्यवंशी को श्रमिक पंजीयन कार्ड का वितरण किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयुष खरे, तनिषा, सृद्धि एवं अयांश का अन्नप्राशन कार्यक्रम किया गया। विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर योजनाओं की जानकारी दी गई। ग्रामीणों ने शिविर में बड़ी संख्या में बीपी, शुगर की जांच कराई। स्वास्थ्य एवं आयुर्वेद विभाग द्वारा दवाईयों का वितरण किया गया।

## जब सराफा अध्यक्ष कमल सोनी बने 'झालमुड़ी वाले': बंगाल में भाजपा की जीत पर शहर में दिखा जश्न का अलग रंग

■ सराफा एसोसिएशन का अनूठा सेलिब्रेशन: बंगाल की जीत पर शहर में बांटी गई झालमुड़ी

**बिलासपुर।** छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष कमल सोनी ने पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत पर खुशी जाहिर करते हुए शहर में अनोखे अंदाज़ में जश्न मनाया। उन्होंने कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों के बीच झालमुड़ी बांटकर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। इस मौके पर कमल सोनी ने कहा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन जी के मार्गदर्शन व सौरभ सिंह की नेतृत्व में पिछले डेढ़ महीने से बिलासपुर सराफा के कुछ कार्यकर्ता लगातार पश्चिम बंगाल चुनाव में जीत के लिए मेहनत कर थे, आज इस जीत के बाद बंगाल की जनता को साधुवाद देते हुए कहा कि ऐसे अवसर पर खुशी मनाना जरूरी है। पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत जनता के विश्वास और विकास की जीत है। उन्होंने इसे देशभर में पार्टी के बढ़ते प्रभाव का संकेत बताया। जश्न के दौरान बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे और सभी ने एक-दूसरे को बधाई दी। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने भी उत्साह के साथ इस जीत का स्वागत किया और झालमुड़ी का आनंद लेते हुए खुशी साझा की। शहर में इस आयोजन ने एक अलग ही माहौल बना दिया।

## ग्रीष्मकालीन भीड़ के दौरान यात्रियों को राहत किफायती दरों पर खानपान सेवा की उपलब्ध

**बिलासपुर।** ग्रीष्मकालीन मौसम के दौरान ट्रेनों में बढ़ती यात्रियों की भीड़ को ध्यान में रखते हुए सामान्य श्रेणी (जनरल कोच) में यात्रा करने वाले यात्रियों की विशेष सुविधा तथा उन्हें किफायती दरों पर स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मंडल के बिलासपुर, उसलापुर, रायगढ़, अनूपपुर रेलवे स्टेशनों पर इकोनॉमी मील (जनता खाना) के स्टॉल खोले गए हैं। यह स्टॉल प्लेटफॉर्म के साथ ही साथ विशेष रूप से ट्रेनों के जनरल कोच के सामने लगाए जा रहे हैं, ताकि सामान्य श्रेणी में यात्रा करने वाले यात्रियों को आसानी से किफायती एवं स्वच्छ भोजन उपलब्ध हो सके। यह पहल मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व में शुरू की गई है। इस सुविधा का विस्तार मंडल के अन्य प्रमुख स्टेशनों में भी शीघ्र प्रारंभ करने की योजना बनाई जा रही है, ताकि अधिकाधिक यात्रियों को इस जनहितकारी सुविधा का लाभ मिल सके। इन स्टॉलों में यात्रियों को मात्र ?20/- में पूड़ी-सब्जी अथवा लेमन राइस जैसे पौष्टिक भोजन विकल्प उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त यात्रियों की पेयजल आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए ?14/- में 1 लीटर पैकेज्ड पेयजल रेल नीर भी उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे यात्रियों को यात्रा के दौरान आवश्यक खाद्य एवं पेय सामग्री उचित मूल्य पर आसानी से उपलब्ध हो रही है साथ ही उन्हें भोजन प्राप्त करने के लिए अनावश्यक भाग-दौड़ नहीं करनी पड़ रही हैं। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह ने बताया कि ग्रीष्मकालीन मौसम में अत्यधिक भीड़ के दौरान 'इकोनॉमी मील (जनता खाना)' जैसी पहल सामान्य श्रेणी में यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी।

## जनादेश भाजपा के साथ:पश्चिम बंगाल ने चुना नया रास्ता

■ भाजपा की प्रचंड जीत से नया बंगाल और सशक्त बंगाल का होगा उदय : कौशिक

■ पश्चिम बंगाल, असम, की जीत पर पूर्व विधानसभा अध्यक्ष कौशिक ने कार्यकर्ताओं को दी शुभकामनाएं

**बिलासपुर।** पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक ने पश्चिम बंगाल चुनाव में भाजपा के जीत को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के साथ-साथ कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं एवं बधाई दी है साथ ही पश्चिम बंगाल की जनता का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि बंगाल की जीत से एक नया बंगाल और सशक्त बंगाल का उदय हुआ है, पश्चिम बंगाल कि जनता अब तुष्टिकरण और अराजकता की राजनीति से त्रस्त हो चुकी थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और उनकी लोककल्याण नीतियों के प्रती वहां की जनता का अटूट विश्वास इस चुनाव में एक क्रांतिकारी परिणाम लेकर आया है। उन्होंने कहा की बंगाल की जीत केवल एक आकड़ो या पार्टी की जीत नहीं यह जीत दशकों से दबे उन लोगों की है जिनके हक को छिना जा रहा था, यह जीत पश्चिम बंगाल में भाजपा की ऐतिहासिक विजय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व एवं लाखों करोड़ों कार्यकर्ताओं के कई दशकों तक की गई मेहनत और धैर्य का प्रमाण है। बंगाल की माँ-माटी-मानुष को शत शत प्रणाम इस महाविजय से मानो बंगाल की शस्य श्यामला भूमि पर वंदे मातरम का सामूहिक जयघोष हुआ है। यह विजय हमारे प्रेरणास्त्रोत डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की धरती पर राष्ट्रवाद और सोनार बंगला के स्वप्न का उदय है। उन्होने कहा कि बंगाल की जनता बताया है कि अराजकता और भ्रष्टाचार चरम पर हो तो अर्श से फर्श तक लाने में समय नही लगता बंगाल में टीएमसी की हार इसका स्पष्ट उदाहरण है जिसे जनता ने उखाड़ फेका है और विकास का मार्ग अपनाया है और भारतीय जनता पार्टी पर विश्वास जताया है। इसके लिए पश्चिम बंगाल की जनता का आभार है और निश्चित ही इस विश्वास को अटूट विश्वास बनाए रखने में भारतीय जनता पार्टी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि रुझान यह भी दर्शाते हैं कि युवा मतदाता विकास, विश्वसनीयता और जनता के साथ मजबूत जुड़ाव को महत्व देते हैं। इसके साथ ही भाजपा ने असम राज्य में हैट्रिक करते हुए प्रचंड जीत हसील की है इससे स्पष्ट होता है कि भाजपा और जनता के बीच का सबंध अटूट विश्वास का सबंध है।

## डिप्टी सीएम अरुण साव ने दी बिलासपुर को बड़ी सौगात: 5.55 करोड़ से बनेगा आधुनिक आरसीसी बॉक्स नाला

जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

**बिलासपुर।** प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव की पहल पर शहर के प्रमुख क्षेत्र में जल भराव की समस्या से निजात मिलने वाली है। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव के निर्देश पर नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा बिलासपुर को एक बड़ी सौगात देते हुए अधोसंरचना मद अंतर्गत ?5 करोड़ 55 लाख 87 हजार की राशि स्वीकृत की गई है। इस राशि से कुंदन पैलेस से सहारे गली होते हुए बस स्टैंड तक 3म3 मीटर के आधुनिक आरसीसी बॉक्स नाले का निर्माण किया जाएगा। इस नाले की मांग बहुत पुरानी थी,जिसके बन जाने से शहर के एक प्रमुख क्षेत्र में बारिश के दिनों में होने वाली जल भराव की समस्या से मुक्ति मिलेगी। नाला निर्माण के बाद शहर के श्रीकांत वर्मा मार्ग, तालापारा मगरपारा और हंसा विहार जहां हर साल जल भराव होता हैं,उससे राहत मिलेगी। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के भारसाधक मंत्री श्री अरुण साव के सतत प्रयासों और प्रभावी मार्गदर्शन के परिणामस्वरूप बिलासपुर शहर को जल निकासी व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण हेतु एक महत्वपूर्ण सौगात मिली है। लंबे समय से लंबित जलभराव की समस्या के समाधान की दिशा में राज्य शासन द्वारा नगर पालिक निगम बिलासपुर को वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए अधोसंरचना मद अंतर्गत ?5 करोड़ 55 लाख 87 हजार की राशि स्वीकृत की गई है।यह स्वीकृति उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव की प्राथमिकताओं के अनुरूप प्रदान की गई है, जिनके द्वारा शहरी क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने और नागरिकों को बेहतर जीवन-स्तर उपलब्ध कराने पर लगातार जोर दिया जाता रहा है। उनके निर्देशन में नगरीय निकायों की आवश्यकताओं के आधार पर योजनाओं को प्राथमिकता देते हुए उन्हें शीघ्र स्वीकृति प्रदान की जा रही है। उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव के मार्गदर्शन में यह भी सुनिश्चित किया गया है कि परियोजना का क्रियान्वयन पूर्ण पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ किया जाए। शासन द्वारा स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाए तथा छत्तीसगढ़ वर्क्स डिपार्टमेंट मैनुअल एवं विभागीय प्रावधानों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। परियोजना के प्रत्येक चरण में पारदर्शिता बनाए रखने हेतु जियोटैग्ड फोटोग्राफी को अनिवार्य किया गया है, जिससे कार्यों की वास्तविक प्रगति का सटीक आकलन किया जा सके। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के सचिव डॉ. बसवराजु एस. ने कहा कि यह परियोजना बिलासपुर में जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा सभी परियोजनाओं में गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है।

# कथित वायरल वीडियो पर भाजपा नेता ने कहा छवि धूमिल करने का प्रयास किया...

■ आपसी लेनदेन को भ्रष्टाचार बताना गलत '

■ कथित पत्रकार सूर्य प्रकाश सूर्यकांत की पचपेड़ी थाना में की गई शिकायत

**बिलासपुर।** बिलासपुर में सोशल मीडिया पर वायरल एक कथित वीडियो को लेकर भाजपा नेताओं ने प्रेसवार्ता कर अपनी स्थिति स्पष्ट की है। भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि चंद्रप्रकाश सूर्या और जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि खिलावन पटेल ने आरोप लगाया कि उनके बीच हुए सामान्य आर्थिक लेनदेन को तोड़-मरोड़ कर भ्रष्टाचार का रूप देने की कोशिश की गई है, जिससे उनकी राजनीतिक छवि धूमिल हो रही है। क्या है पूरा मामला- नेताओं के अनुसार, 29 अप्रैल 2026 को मस्तूरी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत कुकुर्दीकला में प्रस्तावित रेत घाट को लेकर जनसुनवाई आयोजित थी। इसी दौरान चंद्रप्रकाश सूर्या को किसी कार्य के लिए तत्काल पैसों की आवश्यकता पड़ी, जिस पर उन्होंने अपने पुराने मित्र खिलावन पटेल से सहायता मांगी। खिलावन पटेल ने मौके पर ही अपनी जेब में मौजूद राशि—लगभग 25 हजार रुपये—बिना किसी शर्त के उन्हें दे दी। बाद में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सूर्या के कहने पर राशि गिन ली गई, ताकि लौटाते समय कोई विवाद न हो। यह पूरा लेनदेन सार्वजनिक स्थान पर, लोगों की मौजूदगी में हुआ। वीडियो बनाकर छवि को धूमिल किया गया दुरुपयोग- प्रेसवार्ता में बताया गया कि उसी

दौरान वहां मौजूद पचपेड़ी निवासी कथित पत्रकार सूर्य प्रकाश सूर्यकांत ने इस लेनदेन का वीडियो बना लिया। आरोप है कि बाद में उन्होंने इस वीडियो के आधार पर अपने पोर्टल अ्रद्धद ख्रद्धद ड्ढ्रद्धष्द पर भ्रामक खबर प्रकाशित कर इसे रेत घाट प्रबंधन और भ्रष्टाचार से जोड़ दिया। नेताओं का दावा है कि उक्त पत्रकार ने पहले वीडियो वायरल करने की धमकी भी दी थी और बाद में बिना किसी ठोस प्रमाण के खबर प्रकाशित कर दी। रेत घाट से कोई संबंध नहीं: चंद्रप्रकाश सूर्या- चंद्रप्रकाश सूर्या और खिलावन पटेल ने स्पष्ट किया कि उनका कुकुर्दीकला रेत घाट या उससे जुड़े किसी भी प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है। जनसुनवाई में उनकी उपस्थिति केवल जनप्रतिनिधि के रूप में थी। उन्होंने कहा कि यदि कोई अवैध लेनदेन करना होता, तो वह सार्वजनिक स्थल पर नहीं किया जाता। एफआईआर और कानूनी कार्रवाई- इस मामले में दोनों नेताओं ने संबंधित पत्रकार के खिलाफकानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पहले उन्हें लीगल नोटिस भेजा गया और बाद में थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई। आरोप है कि बिना पुष्ट जानकारी के भ्रामक खबर प्रकाशित कर भयादोहन (ब्लैकमेलिंग) का प्रयास किया गया। नेताओं ने कहा कि वे इस प्रकरण में मानहानि का दावा भी दायर करेंगे और दोषियों के खिलाफसख्त कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। राजनीतिक छवि धूमिल करने की साजिश का आरोप- प्रेसवार्ता में नेताओं ने कहा कि वे लंबे समय से सार्वजनिक जीवन में सक्रिय हैं और उनकी छवि को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से इस तरह की साजिश रची गई है। उन्होंने इसे राजनीतिक द्वेष से प्रेरित बताते हुए कहा कि उनकी बढ़ती सक्रियता और लोकप्रियता से कुछ लोग असहज हैं।

# किचन गार्डन में जरूर उगाएं ये प्लांट

किचन गार्डन से फ्रेश सब्जियां और फल तोड़कर खाने का मजा ही अलग होता है। इससे आपको न सिर्फ सुकून मिलता है, बल्कि पोषण भी भरपूर मिलता है। कुछ ऐसी चीजें भी हैं जो खाना बनाने के दौरान रसोई में डेली रूटीन में काम आती हैं। इन चीजों के प्लांट आप अपने किचन गार्डन या बालकनी के गमलों में जरूर लगाएं। धनिया एक ऐसी हर्ब है जो खाने की खुशबू को कई गुना बढ़ा देती है। इसका यूज कई चीजों की गार्निश के लिए भी किया जाता है। ज्यादातर डिशेज में हरा धनिया यूज होता है, इसलिए डेली रूटीन में इसकी जरूरत पड़ती है। किचन गार्डन में हर थोड़े दिनों पर नए धनिया के बीज बोते रहें। ये 5-6 दिनों में ग्रो होना शुरू हो जाता है।

धनिया की तरह ही पुदीना भी एक ऐसी हर्ब है जिसकी चटनी बनाने से लेकर कई डिशेज में गार्निश करने के लिए जरूरत होती है। खासतौर पर गर्मी में इसे अपने किचन गार्डन का हिस्सा जरूर बनाएं, क्योंकि ये कई ड्रिंक्स में भी इस्तेमाल किया जाता है और तुरंत रिफ्रेशिंग फील देता है। इसके अलावा ये गर्मी में होने वाली मितली में भी राहत देता है।

करी पत्ता को तड़का में ज्यादातर लोग यूज करते हैं और ये बालों से लेकर स्किन तक के लिए फायदेमंद है, इसलिए कच्ची इसकी पत्तियां चबाई जा सकती हैं। आप अपने किचन गार्डन में इसलिए ही करी पत्ता का पौधा जरूर लगाएं। ये सिर्फ एक पत्ती नहीं है, बल्कि गुणों का खजाना है।

आप अपने किचन गार्डन में टमाटर के कुछ पौधे भी लगाना चाहिए ताकि इससे आपको हर दिन टमाटर मिल सकें, दरअसल एक प्लांट से आप डेली रूटीन में तो टोमेटो तोड़ नहीं सकते हैं। ऐसे में आप थोड़े ज्यादा प्लांट लगाएं। आप चाहे तो ड्वॉर्फ किस्म उगाएं, ये जल्दी फल देती है।

अपने किचन गार्डन में आपको लहसुन और प्याज भी जरूर लगाना चाहिए। ये आपके खाने में पोषण भी एड करेंगे और सलाद की ड्रेसिंग से लेकर ग्रेवी वाली सब्जी, बिरयानी पुलाव तक में गार्निश के साथ तड़का में यूज किए जा सकते हैं। तो इस तरह से आप ये कुछ प्लांट अपने किचन गार्डन में लगाकर रोजाना फ्रेश हर्ब्स का यूज कर सकते हैं।

हरी मिर्च का इस्तेमाल भी रोजाना के खाने में किया ही जाता है और भारतीय तो कच्ची हरी मिर्च भी खाना पसंद करते हैं। हल्की बारिश हुई तो मिर्च के पकौड़े बना लिए। मसालेदार मिर्च बनाकर स्टोर कर ली। इस तरह से हरी मिर्च का पौधा तो आपके किचन गार्डन में होना ही चाहिए।

# एक्सरसाइज के कई फायदे

हर रोज अगर आप प्लैंक एक्सरसाइज को करते हैं तो इससे शरीर में कई सारे बदलाव देखने को मिलेंगे। कई बार लोगों की समस्या वेट लॉस करना नहीं होता बल्कि पोश्चर होता है।

### प्लैंक एक्सरसाइज के फायदे

प्लैंक करने से डीप कोर मसल्स एक्टीवेट होती है वो भी बिना ज्यादा मेहनत के साथ ही बॉडी को ये फायदे मिलते हैं- मसल्स इंगेज होती है पोश्चर इंप्रूव होता है लोअर बैक को सपोर्ट मिलता है इंश्यूरेंस बिल्ड होती है टेंशन में बॉडी को सही तरीके से सांस लेना आता है।

### एक मिनट करें एक्सरसाइज

शरीर का स्ट्रक्चर चेंज करना हो तो अक्सर सब शॉर्टकट पर भरोसा करते हैं। अगर आपकी सिटिंग जॉब है और शरीर का पोश्चर बिगड़ चुका है। शरीर में स्ट्रेंथ कम हो रही है तो इस एक्सरसाइज पर एक बार भरोसा करें। मात्र एक मिनट रोजाना इस एक्सरसाइज पर खर्च किया तो रिजल्ट कुछ समय बाद दिखना शुरू हो जाएंगे। आमतौर पर लोग डाइट, हर्बल ड्रिंक जैसी चीजों पर भरोसा करते हैं जबकि काफी सारी ईजी एक्सरसाइज हैं जो मनचाहे रिजल्ट दे सकती हैं। जैसे एक मिनट की गई 'प्लैंक' एक्सरसाइज। रोजाना मात्र एक मिनट अगर आप प्लैंक एक्सरसाइज को करते हैं तो इससे शरीर में कई सारे चेंज देखने को मिलते हैं। इंस्टाग्राम पर कई सारे फिटनेस ट्रेनर ने एक मिनट रोजाना प्लैंक एक्सरसाइज करने के फायदे बताए हैं।

### प्लैंक करने की क्यों है जरूरत

फिटनेस के नाम पर अक्सर लोग वेट लॉस पर फोकस करते हैं। लेकिन फिटनेस एक्सपर्ट का कहना है कि काफी सारे लोगों को वजन की समस्या नहीं होती बल्कि उनका कोर वीक होता है। जिसकी वजह लगातार सिटिंग, कम फिजिकल मूवमेंट, खराब पोश्चर होता है। जिसकी वजह से जल्दी-जल्दी सांस लेना, टाइट हिप्स, लोअर बैक पर खिंचाव और पेट की मसल्स कमजोर हो जाती है।

### रोजाना प्लैंक करने से क्या होगा

जब आप रोजाना करते हैं तो इससे कोर मजबूत होती है जिससे मूवमेंट, स्टैंडिंग, वॉकिंग, यहां तक कि डाइजेशन में भी हल्का फील होता है और ज्यादा आसानी से ये सारे रोजमर्रा के काम होने लगते हैं।

### प्लैंक करते समय ये गलतियां ना करें

सांस को रोककर रखना हिप्स को सिकोड़कर रखना लोअर बैक में मोड़ बने रहना नेक को नीचे ड्रॉप करना कंधों को उचकाकर रखना

### बिगिनर्स ध्यान रखें

अगर आप बिगिनर्स हैं तो प्लैंक की शुरुआत करने के साथ मात्र 30 सेकंड ही बॉडी को होल्ड करें। अगर हो सके दो राउंड में 30 सेकेंड में प्लैंक करें।

# फ्रिज में नींबू रखने के तरीके

नींबू लगभग हर भारतीय किचन में इस्तेमाल होने वाली जरूरी चीज है। इसका उपयोग सलाद, चटनी, ड्रिंक्स और कई तरह की रेसिपी में किया जाता है। लेकिन अक्सर यह समस्या होती है कि नींबू जल्दी खराब हो जाते हैं, कुछ ही दिनों में उन पर दाग आने लगते हैं और स्वाद भी बदल जाता है। इसके लिए मैंने एक छोटा-सा एक्सपेरिमेंट किया, जिसमें नींबू को तीन अलग-अलग तरीकों से फ्रिज में 14 दिनों तक रखा। बाद में देखा कि इनमें से कौन-सा तरीका नींबू को सबसे ज्यादा समय तक फ्रेश रखता है। आइए जानते हैं इन तीनों तरीकों के बारे में और उनका क्या परिणाम रहा।

तरीका 1: नींबू को ऐसे ही फ्रिज में रखना
पहले तरीके में नींबू को बिना किसी तैयारी के सीधे फ्रिज में रख दिया। दो हफ्तों के बाद जब इन नींबू को देखा तो उनकी त्वचा पर छोटे-छोटे दाग और धब्बे दिखाई देने लगे थे। जब इन्हें काटकर चखा, तो इनके स्वाद में भी थोड़ा बदलाव महसूस हुआ। स्वाद हल्का कड़वा लगने लगा था। इससे पता चलता है कि इस तरीके से नींबू धीरे-धीरे खराब होने लगते हैं।

तरीका 2: पानी में नींबू स्टोर करना
दूसरे तरीके में नींबू को एक बर्तन में पानी भरकर उसमें डुबोकर फ्रिज में रखा। दो हफ्तों बाद इन नींबू पर बाहर से कोई खास दाग नहीं दिखाई दिए। लेकिन इनका रंग काफी हल्का पड़ गया था। जब इन्हें काटकर चखा तो उनका स्वाद पहले जैसा ताजा नहीं था। बल्कि उनका स्वाद थोड़ा अजीब और कम फ्रेश लग रहा था। इससे यह समझ आता है कि पानी में रखने से नींबू की बाहरी सतह तो ठीक दिख सकती है, लेकिन स्वाद बदल सकता है।

तरीका 3: तेल लगाकर एयरटाइट कंटेनर में रखना
तीसरे तरीके में नींबू पर तेल की पतली परत लगाई और फिर उन्हें एक एयरटाइट कंटेनर में रखकर फ्रिज में स्टोर किया। जब 14 दिनों बाद इन नींबू को देखा तो ये ताजे, चमकदार और सख्त दिखाई दे रहे थे। सबसे खास बात यह थी कि जब इन्हें काटकर चखा, तो उनका स्वाद बिल्कुल वैसा ही था जैसा पहले दिन था।

# ये चीजें हाथ से गिरना माना जाता है अशुभ

धार्मिक मान्यताओं और शकुन शास्त्र अनुसार दैनिक जीवन में होने वाली छोटी-मोटी घटनाएं हमें भविष्य से जुड़े कई बड़े संकेत देती हैं। जैसे कुछ चीजों का अचानक से हाथ से छूटना अपशकुन होता है जो जीवन में आने वाली परेशानियों के लिए हमें सचेत करता है। चलिए जानते हैं ये कौन सी 5 चीजें हैं जिनका हाथ से गिरना अनहोनी का संकेत होता है।

### 1. नमक का गिरना

अक्सर घर के बड़े-बुजुर्ग ये कहते हैं कि हाथ से नमक कभी नहीं गिरना चाहिए क्योंकि ये अपशकुन होता है। दरअसल नमक का संबंध शुक्र और चंद्रमा से माना जाता है। ऐसे में यदि ये हाथ से गिर जाए तो इससे आर्थिक स्थिति बिगड़ने और परिवार के सदस्यों में अनबन होने के संकेत मिलते हैं। कई अन्य देशों में भी नमक का गिरना दुर्भाग्य का सूचक माना जाता है।

### 2. तेल गिरना

हाथ से तेल का बर्तन गिरना भी बेहद अशुभ माना जाता है। कहते हैं इससे शनि के प्रकोप का सामना करना पड़ता है। ये घटना परिवार पर आने वाले किसी बड़े संकट की ओर इशारा करती है। ऐसे में सावधानी बरतनी की जरूरत होती है।

### 3. हाथ से दूध का गिरना

हाथ से दूध का गिलास गिरना चंद्रमा के दोष को दर्शाता है। इससे घर में अशांति आती है। साथ ही मानसिक तनाव भी बढ़ता है।

### 4. पूजा की थाली या दीपक का गिरना

हाथ से पूजा की थाली या दीपक का गिरना भी अशुभ संकेत देता है। कहते हैं इससे भविष्य में कोई बुरी खबर सुनने को मिल सकती है। ऐसे में ईश्वर से क्षमा याचना जरूर करें।

### 5. काली मिर्च गिरना

हाथ से काली मिर्च का गिरना परिवार में कलह होने का संकेत देता है। ये घटना इस ओर भी इशारा करती है कि आपके अपने किसी करीबी मित्र या रिश्तेदार से संबंध खराब होने वाले हैं। ऐसे में सतर्क हो जाना चाहिए।

**क्या करें अगर ये चीजें हाथ से गिर जाएं?**
अगर आपसे अनजाने में ये चीजें गिर जाएं तो कुछ सरल उपाय जरूर करें। जैसे नमक गिरने पर गिरे हुए नमक को उठाकर पानी में बहा दें। यही दूध या तेल गिरता है तो अपने इष्ट देव का स्मरण करते हुए दूध या तेल को किसी जरूरतमंद को दान कर दें।

# आज का राशिफल

**मेष राशि** - राजनीति और लीडरशिप रोल में मान-सम्मान बढ़ेगा, करियर में किसी नए पद की प्राप्ति हो सकती है, जो आपके प्रोफेशनल ग्राफ को 'Level Up' करेगा. साझेदारी में किसी भी काम को करने से आज बचें, क्योंकि 'Solo Hustle' ही आपको जीत दिलाएगी. पार्टनर के साथ ऑनेस्ट रहें. स्टूडेंट्स को आज अपने गोल्स पर टिके रहना है.

**वृषभ राशि** - आर्थिक मामलों में आज 'Red Flag' है, इसलिए बेफिजूल खर्चों पर 'Filter' लगाएं. आपकी फाइनेंशियल स्थिति थोड़ी कमजोर हो सकती है.. बिजनेस में विरोधियों से सावधान रहें और उनकी बातों में आकर कोई बड़ा इन्वेस्टमेंट न करें. लव लाइफ में आज आप अपने पार्टनर को फैमिली से मिलवा सकते हैं, पढ़ाई में फोकस की कमी रहेगी और मन विचलित हो सकता है. और अपनी प्रायोरिटी सेट करें.

**मिथुन राशि** - आज तनाव थोड़ा ज्यादा हो सकता है, लेकिन चुनौतियों को 'Accept' करें क्योंकि ये आपको 'Grow' करने में मदद करेंगी. वर्कप्लेस पर अपनी जरूरी जानकारी किसी से शेयर न करें. मम्मी से किसी बात पर बहस हो सकती है, इसलिए 'Cool' रहें. ट्रैवलिंग के दौरान किसी बहुत ही 'Interesting' व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है.

**कर्क राशि** - गुरुवार का दिन आपके लिए 'Super Wholesome' है. पार्टनर के साथ बॉन्डिंग स्ट्रॉन्ग होगी और आपसी समझ बढ़ेगी. कोई कानूनी मामला जो लंबे समय से पेंडिंग था, आज आपके पक्ष में आ सकता है, जो आपको 'Ultimate Peace' देगा.

**सिंह राशि** -बिजनेस के लिए दिन 'Legendary' है. नए लोगों से मिलें और नेटवर्किंग करें, यह आपके ब्रांड को 'Scale' करने में मदद करेगा. सरकारी नौकरी की तैयारी करने वालों को 'Hustle' बढ़ानी होगी क्योंकि कंपटीशन हाई है. समाज में आपकी साख और सम्मान बढ़ेगा, जिससे आप 'Influencer' जैसी फीलिंग्स पाएंगे.

**कन्या राशि** - बिजनेस में बड़ा निवेश लाभदायक रहेगा, लेकिन ऑफिस में 'Backbiting' से बचें. कोई आपके बॉस के सामने आपकी छवि बिगाड़ने की कोशिश कर सकता है, इसलिए अपने काम को 'Perfect' और ट्रांसपेरेंट रखें. परिवार में शांति के लिए 'No-Argument' पॉलिसी अपनाएं मेहनत का फल जरूर मिलेगा.

**तुला राशि**-जल्दबाजी में कोई 'Impulsive' फैसला न लें. अपने खानपान और मेंटल हेल्थ पर ध्यान दें. यदि कोई आपको इन्वेस्टमेंट का सुझाव दे, तो पहले 'Vibe Check' करें और एक्सपर्ट की सलाह लें. वैवाहिक जीवन की पुरानी परेशानियां आज 'Solved' हो जाएंगी. बजट का ध्यान रखें, वरना महीने के अंत में 'Broke' फील कर सकते हैं.

**वृश्चिक राशि** - कुछ पुरानी उलझनें या 'Past Trauma' फिर से 'Pop-up' हो सकते हैं. रिश्तों में चल रहे तनाव को 'Mature' बातचीत से सुलझाएं. नए घर की प्लानिंग सफल होगी और आप 'Home Decor' के लिए कुछ नया खरीद सकते हैं. करियर में धैर्य और साहस ही आपकी 'Winning Strategy' होगी.

**धनु राशि**- आपका आत्मविश्वास आज सातवें आसमान पर रहेगा. करियर में कोई बड़ा मुकाम या रिवॉर्ड हासिल होगा. पार्टनर को नई जॉब मिलने से घर में 'Celebration Vibe' रहेगी. अपने आसपास के शत्रुओं से सावधान रहें, आपकी तरक्की से कई लोगों को 'Jealousy' हो सकती है. मेहनत से आप सबको 'Outshine' कर देंगे.

**मकर राशि** - गुरुवार का दिन 'Expense Heavy' है, बिजनेस योजनाएं गति पकड़ेंगी और आपको नया इन्वेस्टर मिल सकता है. टेक बैकग्राउंड वाले लोगों को आज अनुभवी मेंटर्स से सलाह लेनी चाहिए. परिवार की समस्याओं को सुनें, उन्हें आपकी 'Quality Time' की जरूरत है.

**कुंभ राशि**- गुरुवार की मेहनत आपको लॉन्ग-टर्म बेनेफिट्स देगी. ससुराल पक्ष या रिश्तेदारों से बात करते समय 'Cringe' होने से बचें और शब्दों का चुनाव बहुत सोच-समझकर करें. नए प्रोफेशनल संपर्कों से लाभ होगा. पिताजी की सलाह आज आपके 'Mental Stress' को दूर करने के लिए 'Therapy' की तरह काम करेगी.

**मीन राशि**- आपकी कोई बहुत पुरानी विश पूरी हो सकती है. साहस और क्रिएटिविटी में वृद्धि होगी. गृहस्थ जीवन में 'Love & Peace' बनी रहेगी. कोई नया प्रोजेक्ट शुरू करने की प्रेरणा मिलेगी, जिससे आपकी हिम्मत बढ़ेगी. महिला मित्रों से आज आपको 'Surprise Profit' मिल सकता है, जिससे आपका दिन बन जाएगा.

# सपनों में दिखने वाली ये चीजें नई शुरुआत का इशारा

सपनों के बारे में अगर बात करें तो ये हर व्यक्ति के जीवन का ऐसा हिस्सा है जिसे हम या तो अजीब समझते हैं या फिर रहस्यमयी। स्वप्न शास्त्र की मानें तो आप जिन चीजों को सपने में देखते हैं वे आपके भविष्य या जीवन से जुड़े हुए हालातों की तरफ भी इशारा करते हैं। इसी स्वप्न शास्त्र में सपने में दिखने वाली कुछ ऐसी चीजों का भी जिक्र मिलता है जिन्हें अगर आप देखते हैं, तो ये जिंदगी में जल्द होने वाली नयी शुरुआत की तरफ इशारा करते हैं। आज इस आर्टिकल में हम आपको इन्हीं चीजों के बारे में विस्तार से जानते हैं।

### सपने में सूर्योदय देखना

स्वप्न शास्त्र के अनुसार अगर आप अपने सपने में उगते हुए सूरज को देख लेते हैं, तो इसे काफी ज्यादा शुभ संकेत माना जाता है। सपने में इसका दिखना जीवन में जल्द होने वाली नयी शुरुआत, उम्मीद या फिर सफलता की तरफ इशारा करता है। इसके अलावा सपने में उगते हुए सूरज को देखने का अर्थ होता है कि आपकी जिंदगी से जल्द हर परेशानी खत्म होने वाली है।

**सपने में साफ पानी देखना**

सपने में अगर आपको साफ और शांत पानी दिखाई दे, तो यह जीवन में जल्द पॉजिटिव बदलाव होने की तरफ इशारा करता है। इसका अर्थ यह भी होता है कि आपके मन को शांति मिलेगी और जल्द नए मौके आपकी जिंदगी में आने वाले हैं। अगर आप किसी मुश्किल हालात से गुजर रहे है, तो यह सपना बताता है कि जल्द आपकी जिंदगी में सबकुछ बेहतर होने वाला है।

**नए कपड़े पहनना भी शुभ**

अगर आप अपने सपने में खुद को बिलकुल नए कपड़े पहनते देख रहे हैं, तो यह बताता है कि जल्द आपकी जिंदगी में नए बदलाव आएंगे या फिर आपको एक नयी पहचान भी मिल सकती है। सपने में इसका दिखना करियर, रिश्तों या फिर पर्सनल लाइफ में नए चैप्टर की शुरुआत के तरफ इशारा करता है।

**पेड़-पौधे या हरियाली देखना**

स्वप्न शास्त्र की अगर माने तो सपने में हरे-भरे पेड़-पौधों या फिर एक सुंदर बगीचे को देखना काफी ज्यादा शुभ माना जाता है। इसका अर्थ होता है कि जल्द आप तरक्की करेंगे, अपने अंदर नयी चीजें डेवलप करेंगे या फिर आपको नए मौके मिलेंगे। अगर आप सपने में ऐसा कुछ देखते हैं, तो यह बताता है कि जल्द आपको अपनी कोशिशों का अच्छा परिणाम मिल सकता है।

**सफेद रंग की चीजें देखना**

अगर आप अपने सपने में सफेद रंग की चीजें जैसे कि कपड़े, फूल या फिर लाइट दिखाई दे, तो यह इस बात की तरफ इशारा करता है कि जल्द नयी शुरुआत होगी या फिर आपको जीवन में शांति मिलेगी। यह इस बात की तरफ भी इशारा करता है कि आपके जीवन में जल्द सभी निगेटिव चीजें खत्म होंगी और पॉजिटिव बदलाव आएंगे।

# कुर्ती आईडियाज को आप अपने वार्डरोब में जरूर शामिल करें

अगर आप भी आपकी हाइट छोटी है तो कुर्ती चुनते समय सही डिजाइन, लंबाई और पैटर्न का ध्यान रखें। सही कुर्ती न सिर्फ स्टाइलिश आपको दिखती है, बल्कि विजुअली लंबा भी दिखा सकती है। इस आर्टिकल में आप 4 कुर्ती आइडियाज के बारे में जान पाएंगी, जो छोटी हाइट वाली लड़कियों के लिए सही हैं। आप मोनोक्रोम कुर्ता सेट को पहन सकती हैं। मोनोक्रोम आउटफिट का मतलब एक ही रंग का आउटफिट। जब आप ऊपर से नीचे एक ही रंग के कपड़े पहनते हैं, तो इससे कलर का लगातार एक फ्लो बनता है जो आपको लंबा दिखाने में मदद करता है।

### वर्टिकल स्ट्राइप्स कुर्ती

आप वर्टिकल स्ट्राइप्स कुर्ती को पहन सकती हैं। इस तरह की कुर्ती में लंबी धारियां बनी होती हैं। कुर्ती में ऊपर से नीचे की ओर बनी स्ट्राइप्स देखने वाले की नजर को भी ऊपर से नीचे की ओर ले जाती हैं और इससे हाइट ज्यादा लगती है।

### हाई स्लिट कुर्ती

हाई स्लिट कुर्ती देखने में स्टाइलिश लगती है। जब आप इस तरह की कुर्ती को पहनती हैं तब ये पैरों की लंबाई को उभारती है। इस कुर्ती को पहनकर आप लंबी और स्लिम नजर आएंगी।

### वी-नेक कुर्ती

आप वी-नेक कुर्ती को पहन सकती हैं। वी-नेक कुर्ती की खास बात ये है कि आपके बॉडी के ऊपरी हिस्से और गले को लंबा दिखाती है। इसे पहनकर आप स्लिम और स्मार्ट लुक पा सकती हैं।

## नन्हे विद्यार्थियों को पोषणयुक्त भोजन का उद्देश्य मिड डे मिल के रसोइयों का 2 दिवसीय प्रशिक्षण

डोंगरगांव नगर। प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना (मध्यान्ह भोजन योजना) के तहत डोंगरगांव ब्लॉक में कार्यरत रसोइयों का दो दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण सत्र में शासकीय प्राथमिक शाला के 115 एवं पूर्व माध्यमिक शाला के 63 विद्यालयों में कार्यरत कुल 393 रसोइयों ने सहभागिता की। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य रसोइयों को स्वच्छता, पोषण गुणवत्ता एवं सुरक्षित भोजन निर्माण के प्रति जागरूक करना है, ताकि विद्यालयों में विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं पोषणयुक्त मध्यान्ह भोजन उपलब्ध कराया जाकर योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो। प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दो स्थानों पर किया गया। प्रथम दिवस 28 अप्रैल 2026 को स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, डोंगरगांव में तथा द्वितीय दिवस 29 अप्रैल 2026 को शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल, तुमड़ीबोड में प्रशिक्षण सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से रसोइयों को गुणवत्तापूर्ण एवं सुरक्षित मध्यान्ह भोजन तैयार करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान रसोइयों को स्वच्छता, पोषण गुणवत्ता, सुरक्षित भोजन निर्माण एवं योजना के प्रभावी क्रियान्वयन संबंधी आवश्यक जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण में बीईओ जयंत साहू, प्राचार्य बीएल देवांगन, वर्गिश, व्याख्याता केआर साहू, मध्यान्ह भोजन प्रभारी एनके देवांगन सहित संकुल समन्वयक एवं मास्टर ट्रेनर्स डामन साहू, देवेंद्र किशोर साहू, माखन लाल रात्रे, दयानंद निषाद, सीपी साहू, नूतन हिरवानी, घनसाय सलामे, यशवंत साहू, प्रदीप ध्रुव ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी राहुल कुमार जैन ने दी।

## टी. ज्योति पार्षद द्वारा पार्षद निधि से ओपन जिम सामग्री मंगवाया गया

दल्लीराजहरा। क्षेत्र के नागरिकों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए वार्ड 26 रेलवे इंस्टीट्यूट परिसर में पार्षद निधि से ओपन जिम के लिए आवश्यक सामग्री मंगवाई गई है। इस पहल का उद्देश्य युवाओं, महिलाओं एवं बुजुर्गों को नियमित व्यायाम के लिए प्रोत्साहित करना तथा स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देना है। टी. ज्योति ने बताया कि ओपन जिम की सुविधा उपलब्ध होने से स्थानीय लोगों को निःशुल्क व्यायाम का अवसर मिलेगा, जिससे वे दैनिक जीवन में फिटनेस को आसानी से शामिल कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास के साथ-साथ नागरिकों के स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी अत्यंत आवश्यक है ताकि लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़े और सामुदायिक सहभागिता को भी बल मिलेगा। स्थानीय नागरिकों ने इस पहल की प्रशंसा करते हुए पार्षद निधि के इस उपयोग को सराहनीय बताया है।

## सही दवा-शुद्ध आहार अभियान के तहत बेमेतरा में सख्त कार्रवाई

बेमेतरा। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अंतर्गत खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा प्रदेशभर में चलाए जा रहे 15 दिवसीय विशेष अभियान सही दवा, शुद्ध आहार, यही छत्तीसगढ़ का आधार का बेमेतरा जिले में विधिवत संचालन किया जा रहा है। यह अभियान 27 अप्रैल 2026 से 11 मई 2026 तक जारी रहेगा, जिसका मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ एवं औषधियों की उपलब्धता सुनिश्चित करना है।

### औषधि प्रकोष्ठ की सख्त कार्रवाई

शासन के निर्देशानुसार एवं जिला कलेक्टर द्वारा गठित टीम के नेतृत्व में अभियान के तृतीय चरण के तहत 06 मई 2026 को बेमेतरा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में औषधि विभाग द्वारा सघन जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान सिगरेट एवं अन्य तम्बाकू उत्पाद अधिनियम (कोटपा) 2003 के तहत कुल 51 चालानी कार्यवाही की गई।

### दुकानदारों को दिए गए महत्वपूर्ण निर्देश

जांच के दौरान उन्होंने दुकानदारों को निर्देश दिए की, तम्बाकू उत्पादों का उचित एवं नियमों के अनुरूप भंडारण करें, दुकान में धूम्रपान निषेध संबंधी बोर्ड अनिवार्य रूप से प्रदर्शित करें, नाबालिगों को तम्बाकू उत्पादों की बिक्री पूर्णतः प्रतिबंधित रखें।

### आगे भी जारी रहेगी कार्रवाई

अधिकारियों ने बताया कि अभियान के अंतर्गत आने वाले दिनों में भी जिले के अन्य क्षेत्रों में इसी प्रकार की सख्त जांच एवं चालानी कार्यवाही जारी रहेगी, ताकि नियमों का पालन सुनिश्चित किया जा सके और आमजन के स्वास्थ्य की रक्षा हो सके।

# सुशासन तिहार या दिखावटी दरबार: क्लस्टर शिविरों में शिकायतकर्ता और आरोपी आमने-सामने, ग्रामीणों में असुरक्षा का माहौल

कवर्धा। जिले में चल रहे सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत 15 से 20 ग्राम पंचायतों का क्लस्टर बनाकर शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। प्रशासन इसे जनसमस्याओं के त्वरित समाधान की पहल बता रहा है, लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल उलट नजर आ रही है। इन शिविरों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं और ग्रामीणों के बीच असंतोष की भावना पनपने लगी है। क्लस्टर स्तर पर आयोजित इन शिविरों में संबंधित क्षेत्र के सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक, इंजीनियर, कृषि, पशुपालन, उद्यान, स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी, पटवारी सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहते हैं। पहली नजर में यह व्यवस्था समन्वित प्रशासनिक प्रयास प्रतीत होती है, लेकिन असली समस्या यहीं से शुरू होती है। सबसे गंभीर तथ्य यह है कि यदि किसी ग्रामीण को पटवारी से ही शिकायत है, तो उसे उसी पटवारी के सामने अपनी शिकायत दर्ज करानी पड़ती है। शिकायतकर्ता को यह भरोसा नहीं होता कि उसके बयान के बाद कोई प्रतिशोध नहीं होगा। ग्रामीणों का कहना है कि शिकायत उसी व्यक्ति के सामने करना, जिसके खिलाफ शिकायत है, न केवल असहज स्थिति उत्पन्न करता है बल्कि भविष्य में उत्पीड़न की आशंका भी बढ़ाता है। ग्रामीणों के बीच यह चर्चा आम है कि शिविर स्थल पर तो अधिकारी समाधान का आश्वासन दे देते हैं, लेकिन बाद में वही कर्मचारी शिकायतकर्ता को परेशान करने लगते हैं। भूमि नाप-जोख, नामांतरण, सीमांकन, फसल गिरदावरी या अन्य राजस्व मामलों में पटवारी की भूमिका अहम होती है। ऐसे में यदि शिकायतकर्ता खुलकर बोलता है तो भविष्य में उसे काम अटकने का भय सताता रहता है। इसी प्रकार यदि किसी राशन कार्डधारी को अपने राशन दुकान संचालक से समस्या है, तो उसे भी उसी संचालक के सामने अपनी बात रखनी होती है। यह व्यवस्था शिकायत के स्वतंत्र और निष्पक्ष निवारण की कसौटी पर खरी नहीं उतरती। ग्रामीणों का आरोप है कि इससे गांवों में अंतर्कलह की स्थिति बन रही है। शिकायतकर्ता और संबंधित कर्मचारी या संचालक के बीच रिश्ते और अधिक तनावपूर्ण हो जाते हैं। शिविरों में केवल ब्लॉक स्तरीय और क्लस्टर स्तर के अधिकारी-कर्मचारी ही उपस्थित रहते हैं। जिला स्तरीय जिम्मेदार अधिकारी प्रायः नदारद रहते हैं। ऐसे में यदि कोई गंभीर मामला उठता भी है तो उसका ठोस और उच्चस्तरीय समाधान नहीं हो पाता। कई बार शिकायत को स्थानीय स्तर पर निपटा हुआ बताकर औपचारिकता पूरी कर दी जाती है। प्रशासनिक पारदर्शिता की बात करने वाले इस आयोजन में स्वतंत्र शिकायत काउंटर, गोपनीय आवेदन पेटी या जिला स्तरीय मॉनिटरिंग की व्यवस्था दिखाई नहीं देती। शिकायत प्रक्रिया में गोपनीयता और सुरक्षा की गारंटी के बिना सुशासन का दावा खोखला प्रतीत होता है। लोगों का मानना है कि सुशासन का मूल तत्व जवाबदेही और निष्पक्षता है। यदि शिकायतकर्ता को सुरक्षा और स्वतंत्र मंच नहीं मिलेगा तो वह अपनी समस्या खुलकर नहीं रख पाएगा। परिणामस्वरूप शिविर केवल उपस्थिति रजिस्टर और फोटो सत्र तक सीमित रह जाएंगे। ग्रामीणों ने मांग की है कि ऐसे शिविरों में जिला स्तरीय अधिकारियों की अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। साथ ही शिकायतों के लिए अलग से गोपनीय काउंटर और ऑनलाइन ट्रैकिंग व्यवस्था लागू की जाए, ताकि समाधान की प्रगति पारदर्शी हो सके। कुल मिलाकर, जिस पहल को प्रशासन सुशासन तिहार के रूप में प्रचारित कर रहा है, वह जमीनी स्तर पर ग्रामीणों के लिए असहज और भय का कारण बनती दिख रही है। यदि व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया तो यह अभियान सुशासन के बजाय ग्रामीणों के बीच अविश्वास और अंतर्कलह का प्रतीक बन सकता है।

## सुशासन तिहार के जन समस्या निवारण शिविर में 980 आवेदन प्राप्त, विभिन्न विभागों ने लगाया शिविर

बेमेतरा। सुशासन तिहार के अंतर्गत जनपद पंचायत बेमेतरा के ग्राम पंचायत मोहरेंगा में आयोजित जन समस्या निवारण शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर आम नागरिकों की समस्याएं सुनी गईं। शिविर में ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ी और कुल 980 आवेदन प्राप्त हुए, जिनका यथासंभव मौके पर ही निराकरण किया गया। शिविर में पंचायत एवं ग्रामीण विकास, राजस्व, खाद्य, कृषि, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, विद्युत, लोक निर्माण, शिक्षा, श्रम, महिला एवं बाल विकास सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे और नागरिकों को योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ उनकी समस्याओं का समाधान किया।

### विभागवार प्राप्त आवेदनों का विवरण

शिविर में प्राप्त आवेदनों का विभागवार विवरण में पंचायत विभाग 562, राजस्व विभाग 118, खाद्य विभाग 142, कृषि विभाग 8, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी 29, विद्युत विभाग 61, लोक निर्माण 13, शिक्षा विभाग 18, श्रम विभाग 9, महिला एवं बाल विकास 34, जल संसाधन 11, पशुपालन विभाग 3, लीड बैंक 2, परिवहन विभाग 1, सहकारिता विभाग 1, आबकारी विभाग 1, उद्योग विभाग 1, रोजगार विभाग 1, पुलिस विभाग 1, वन विभाग 5 7 कुल आवेदनः 980,

### शिविर में समस्याओं का त्वरित निराकरण

शिविर में प्राप्त आवेदनों में राशन कार्ड, पेंशन, आवास, नामांतरण, सीमांकन, पेयजल, बिजली एवं अन्य जनहित से जुड़ी समस्याएं प्रमुख रहीं। अधिकारियों द्वारा कई मामलों का मौके पर ही निराकरण किया गया तथा शेष आवेदनों को समय-सीमा में निराकरण हेतु संबंधित विभागों को सौंपा गया।

### जनता को मिला राहत का मंच

इस प्रकार के शिविरों के माध्यम से प्रशासन सीधे गांवों तक पहुंचकर नागरिकों की समस्याएं सुन रहा है, जिससे लोगों को दफ्तरों के चक्कर लगाने से राहत मिल रही है। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों की सहभागिता देखने को मिली और लोगों ने इस पहल की सराहना की।

## महिला मोर्चा संगठन विस्तार 15 दिनों में मंडल कार्यकारिणी गठन के निर्देश, प्रज्ञा निर्वाणी ने मंडल अध्यक्षों भेजा पत्र

बेमेतरा। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा ने संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक सशक्त बनाने के लिए बड़ा अभियान शुरू कर दिया है, प्रदेश अध्यक्ष विभा अवस्थी के मार्गदर्शन में जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष प्रज्ञा निर्वाणी ने सभी नवनियुक्त मंडल अध्यक्षों को स्पष्ट निर्देश दिए है कि वे 15 दिनों के भीतर अपने-अपने क्षेत्रों में दौरा कर पूर्ण रूप से मंडल कार्यकारिणी का गठन सुनिश्चित करें। प्रज्ञा निर्वाणी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने के लिए संगठन का मजबूत होना बेहद आवश्यक है, उन्होंने साफ किया कि इस बार कार्यकारिणी गठन केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि एक सशक्त, सक्रिय और परिणाम देने वाली टीम तैयार करने का अभियान है।

### मार्गदर्शक मंडल का भी गठन अनिवार्य

प्रज्ञा निर्वाणी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि प्रत्येक मंडल में भाजपा नेत्रियों एवं चुनी हुई महिला जनप्रतिनिधियों को मार्गदर्शक मंडल एवं स्थायी आमंत्रित सदस्यों के रूप में शामिल करना अनिवार्य होगा, ताकि संगठन को अनुभव और दिशा दोनों का लाभ मिल सके। पारदर्शिता और नए चेहरों को अवसर उन्होंने दोहराया कि संगठन में पारदर्शिता सर्वोच्च प्राथमिकता होगी, किसी भी पद पर पुनरावृत्ति नहीं होगी और जो कार्यकर्ता पहले से अन्य मोर्चा या प्रकोष्ठ में दायित्व निभा रहे हैं, उनके स्थान पर नए चेहरों को अवसर दिया जाएगा। सभी प्रकोष्ठों के अध्यक्षों से समन्वय के बाद ही अंतिम सूची जारी की जाएगी। प्रदेश अध्यक्ष विभा अवस्थी के दिशा-निर्देशों के अनुरूप, हम मंडल स्तर पर एक ऐसी मजबूत टीम बना रहे हैं जो पीएम मोदी और विष्णुदेव साय की 'नारी शक्ति' केंद्रित योजनाओं को हर घर तक पहुंचाएगी। स्व-सहायता समूह की बहनों और शिक्षित युवाओं के जुड़ने से महिला मोर्चा की ताकत कई गुना बढ़ेगी। प्रज्ञा निर्वाणी, जिला अध्यक्ष, महिला मोर्चा की महामंत्री मधु राजपूत ने कहा कि हमारी अनुभवी और ऊर्जावान जिला अध्यक्ष प्रज्ञा निर्वाणी के नेतृत्व में महिला मोर्चा का यह अभियान आने वाले समय में संगठन को नई दिशा देने के साथ-साथ महिला सशक्तिकरण के लक्ष्य को भी मजबूती प्रदान करेगा।

#### स्व-सहायता समूह और युवाओं पर विशेष फोकस

जिला अध्यक्ष ने निर्देश दिए हैं कि स्व-सहायता समूहों में सक्रिय महिलाओं को प्राथमिकता के साथ संगठन में शामिल किया जाए, ताकि उनकी आर्थिक और सामाजिक अनुभव का लाभ पार्टी को मिल सके, साथ ही शिक्षित और सामाजिक सरोकार रखने वाली युवतियों को जिम्मेदारी देकर संगठन में नई ऊर्जा लाई जाएगी।

#### वरिष्ठों का मार्गदर्शन और संतुलित टीम

कार्यकारिणी गठन में क्षेत्रीय विधायक, वरिष्ठ भाजपा नेताओं एवं अनुभवी कार्यकर्ताओं के सुझावों को महत्व दिया जाएगा, जिससे एक संतुलित और प्रभावी टीम तैयार हो सके।

## सिंघौरी की गीतमाला और नमिता ने 95 प्रतिशत अंक प्राप्त कर स्कूल को किया गौरान्वित

बेमेतरा। बेमेतरा जिला के अंतर्गत चारों विकासखंड की प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक स्तर वार्षिक परीक्षा का परिणाम घोषित किया गया।जिसमें बेमेतरा विकासखंड के अंतर्गत शासकीय प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला सिंघौरी से वार्षिक परीक्षा में कु.गीतमाला वर्मा कक्षा आठवीं में 95.17 प्रतिशत अंक एवं नमिता साहू प्राथमिक शाला से 95 प्रतिशत अंक प्राप्त किये। दोनों बच्चो की इस उपलब्धि पर संस्था प्रमुख सरस्वती साहू सहित पूरे स्टॉफ एंव शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष एंव सदस्यों ने हर्ष व्यक्त किया। वही नेविता वर्मा 95% आठवीं एंव खुलेश्वरी यादव 95% अंक के साथ स्कूल में द्वितीय स्थान पर रही। गीतमाला वर्मा ने अपने इस सफलता की श्रेय शिक्षक एंव अपने माता पिता को दी।

## बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के तहत नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

बेमेतरा। जिले में सुशासन त्योहार के अंतर्गत जनसमस्या निवारण शिविरों के दौरान बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के तहत किशोरी बालिकाओं के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर परियोजना बेमेतरा अंतर्गत ग्राम पंचायत मोहरेंगा एवं परियोजना बेरला अंतर्गत ग्राम पंचायत सल्धा में आयोजित हुआ।

जिला महिला सशक्तिकरण केंद्र (हब) द्वारा शिविर में किशोरी बालिकाओं को मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए सेनेटरी पैड एवं संगिनी दीदी के गोठ पुस्तिका का वितरण किया गया। इस अवसर पर बालिकाओं का हीमोग्लोबिन टेस्ट कर निःशुल्क स्वास्थ्य जांच की गई तथा पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। साथ ही एचपीवी वैक्सीनेशन, बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के बारे में भी विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम के दौरान संतुलित आहार, आयरन युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन, दुग्ध टैबलेट के महत्व, एनीमिया की रोकथाम एवं मासिक धर्म स्वच्छता जैसे विषयों पर विशेष चर्चा की गई। इसके अलावा महिला एवं बाल सुरक्षा से संबंधित हेल्पलाइन नंबर जैसे 181 सखी वन स्टॉप सेंटर, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 तथा पॉक्सो अधिनियम की जानकारी भी उपस्थित हितग्राहियों को दी गई। इस शिविर में परियोजना अधिकारी, जिला महिला सशक्तिकरण केंद्र, सखी वन स्टॉप सेंटर, चाइल्डलाइन की टीम, सेक्टर सुपरवाइजर एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की सक्रिय सहभागिता रही।

## बेमेतरा में चल रही है कक्षा 7वीं के नवीन पाठ्य पुस्तकों पर आधारित सभी 6 विषयों पर प्रशिक्षण

बेमेतरा। डाइट बेमेतरा में कक्षा सातवीं के नवीन पाठ्य पुस्तक पर आधारित चारों विकासखंड के बीआरजी का पांच दिवसीय प्रशिक्षण विषय सामाजिक विज्ञान, अंग्रेजी, संस्कृत, हिन्दी, गणित और विज्ञान विषय का प्रशिक्षण चल रहा है। आज प्रशिक्षण के तीसरे दिन डाइट प्राचार्य जे के घृतलहरे ने प्रशिक्षार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रशिक्षण किसी भी व्यक्ति के कौशल, ज्ञान और दक्षता को बढ़ाने की एक व्यवस्थित प्रक्रिया है, जो शिक्षकों के आत्मविश्वास और प्रदर्शन में सुधार करती है। यह शिक्षकों को नई ऊर्जा के साथ कार्य करने प्रेरित तो करती ही है साथ ही नई तकनीकों से परिचित कराने और करियर विकास के अवसर प्रदान करने के लिए अत्यंत आवश्यक है। अजीम प्रेमजी फाउंडेशन बेमेतरा की रिसोर्स परसन अंकिता पुरोहित ने सामाजिक अध्ययन की प्रकृति और सामाजिक विज्ञान के शिक्षण में कौन-कौन सी चुनौतियां हैं और नई पाठ्य पुस्तक के अनुसार बच्चों के समग्र विकास और अनुभव एवं समझ आधारित रहने के बजाय करके सीखने पर बल दिया गया। इसके पश्चात समूह कार्य में सभी प्रशिक्षार्थियों को तीन समूह मौसम, ऋतु, और जलवायु में बाँटकर तीनों समूह को मौसम समूह को पर्वत, ऋतु समूह को शुष्क क्षेत्र और जलवायु को वर्षा क्षेत्र को नक्शा में दर्शाकर विशेषता लिखकर प्रस्तुत करने को कहा गया। सभी प्रशिक्षार्थियों ने बहुत सुंदर अपनी प्रस्तुति दी। इसी तरह संस्कृत विषय में मास्टर ट्रेनर्स डॉ निलेश तिवारी, दौलत राम साहू, डालेश्वरी साहू ने प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षण दिया। विज्ञान विषय में अजीम प्रेमजी फाउंडेशन की श्रेया ने गतिविधियों, चार्ट पेपर और प्रायोगिक कार्य के द्वारा प्रशिक्षार्थियों को सुंदर प्रशिक्षण प्रदान किया। हिंदी विषय में मास्टर ट्रेनर्स विरेन्द्र राठौर, तेखन सिंह वर्मा और अजीम प्रेमजी फाउंडेशन से रिसोर्स परसन वसीम खान ने बढ़िया प्रशिक्षण प्रदान दिया। अंग्रेजी विषय प्रशिक्षण में भागवत प्रसाद बानी (मास्टर ट्रेनर) ने विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य संरक्षण, संवर्धन तथा समग्र कल्याण संबंधी जानकारी प्रशिक्षणार्थियों को अवगत कराया गया एवं 7वीं कक्षा अंग्रेजी भाषा (पूर्वी) गतिविधियों और अभ्यासों के माध्यम से भाषा कौशलों को किस प्रकार एकीकृत किया जाता है। पहचाने गए कौशलों को पाठ्यचर्या के लक्ष्यों और अंतर्संबंधी विषयों से जोड़ने का तरीका सिखाया गया। गिरिजा शंकर शर्मा (डीआरजी) के द्वारा प्रत्येक इकाई के भीतर अभ्यासों की संरचना और क्रम का विश्लेषण करना सिखाया। अशोक साहू (डीआरजी) एवं नीरज ने पाठ्यक्रम संबंधित प्रत्येक अभ्यास लेटेस्ट डिसकस, लेटेस्ट एक्सपोर, लेटेस्ट लिसन, लेटेस्ट राइट, लेटेस्ट लर्न, लेटेस्ट रीड, लेटेस्ट थिंक एंड रिप्लाई, आदि एक्टिविटीज के द्वारा अभ्यास करवाया गया। इसी तरह से गणित विषय प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर्स ज्योति बनाफर और अजीम प्रेमजी फाउंडेशन से रिसोर्स परसन स्वरूपा ने बहुत सुंदर ढंग से गणित की विभिन्न गतिविधियों को रोचक ढंग से और विस्तार से बताया। इस अवसर पर प्रशिक्षण प्रभारी नोडल जी एल खुटियारे, सहायक प्राध्यापक प्रहलाद कुमार टिकरिहा (संस्कृत), परस राम साहू (गणित), देवी प्रसाद चंदेश्वर (हिन्दी), यमुना जांगड़े (सामाजिक विज्ञान), थलज कुमार साहू, अंग्रेजी विषय में हितेंद्र, अनुराग साहू, रोहित निर्मलकर, हर्ष श्रीवास्तव, इति चौबे, सहित बीआरजी रामकुमार टन्डन, समता सोनी, तेज कुमार वर्मा, दिलीप कुमार बंजारे, संतराम निषाद, कुमार राम ध्रुव, सावित्री महिलांग सहित प्रशिक्षार्थी उपस्थित थे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com